सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 312 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 25 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

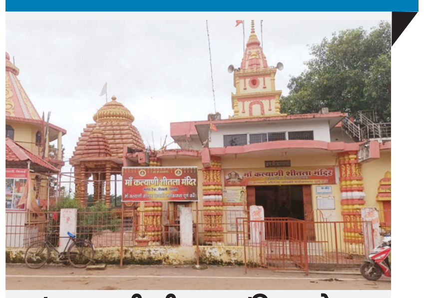

मां कल्याणी शीतला मंदिर मरोदा टैंक में तीन दिवसीय तीजा तिहार का आयोजन आज से

भिलाई। मां कल्याणी शीतला मंदिर समिति मरोदा टैंक के तत्वाधान में पच्चीस अगस्त से तीन दिवसीय भव्य तीजा तिहार का आयोजन किया गया है। जिसमें पहले दिन 25 अगस्त की संध्या माँ कल्याणी शीतला के पूजा-आरती के बाद तीजहारिन महिलाओं को करुभात प्रसाद वितरण किया जायेगा। रात्रि 8 बजे भजन संध्या होगा। मंदिर स्थल पर महिलाओ के लिए निशुल्क मला चक्कर झूला की व्यवस्था होगी।

26 अगस्त की दोपहर 12 बजे से तीजहारिन महिलाओं के लिए विभिन्न खेलकूद के तहत गोटा, तिरीपासा, फूगड़ी, रंगोली, मेंहदी, मटका फोड़ सुईधागा, आलु, जनऊला, सुरीली कुर्सी, गोली चम्मच, धीमी चाल, मटका फोड़ जैसी विभिन्न खेल स्पर्धा होगी। संध्या 6 बजे से माँ कल्याणी के दरबार में फूलेरा तीजा का पूजा पाठ होगा।

रात्रि 8 बजे से खेल कूद की विजेता तीजहारिन महिलाओं को पुष्कृत किया जायेगा। रात्रि में चम्पा बसन छत्तीसगढ़ी लोककला नाचा पार्टी ग्राम - भकुर्रा (पथरा टोला) का सांस्कृतिक आयोजन होगा। 27 अगस्त की सुबह माताजी की पूजा-आरती के बाद महिलाओ को फरहार व सुहाग श्रृंगार सामाग्री का वितरण किया जायेगा।

22 हजार से अधिक दर्शकों ने छत्तीसगढ़ की विरासत उद्योग और पर्यटन की अनूठी झलक का किया अनुभव

ओसाका (जापान) में वर्ल्ड एक्सपो 2025 के पहले ही दिन छत्तीसगढ़ पैवेलियन बना आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ओसाका (जापान) में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 के पहले दिन ही छत्तीसगढ़ पैवेलियन आकर्षण का केंद्र बन गया। उद्घाटन दिवस पर 22 हजार से अधिक दर्शकों ने यहाँ पहुँचकर छत्तीसगढ़ की विरासत, उद्योग और पर्यटन की अनूठी झलक का अनुभव किया। भारत सरकार के इंडियन ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन (ITPO) के आमंत्रण पर 24 से 30 अगस्त 2025 तक भारत पैवेलियन के अंतर्गत छत्तीसगढ़ अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। आज इस भव्य पैवेलियन का विधिवत शुभारंभ किया गया।

संस्कृति, उद्योग और अवसरों का संगम

पैवेलियन को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह आगंतुकों को एक जीवंत अनुभव प्रदान करता है। पवेलियन में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि, औद्योगिक शक्ति और पर्यटन की संभावनाओं को सुंदर रूप से पिरोया गया है। यह वैश्विक दर्शकों को छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा और भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराता है।

औद्योगिक शक्ति और लॉजिस्टिक हब के रूप में छत्तीसगढ़

पैवेलियन में छत्तीसगढ़ की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति पर विशेष बल दिया गया। राज्य की केंद्रीय स्थिति और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क उसे देश के भीतर सबसे बड़ा लॉजिस्टिक हब बनाते हैं। विनिर्माण, वस्त्र, आईटी/आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रामोद्योग जैसे क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ की तेजी से हो रही प्रगति को भी यहाँ प्रदर्शित किया गया है। यह वैश्विक निवेशकों के लिए राज्य को निवेश-तैयार गंतव्य के रूप में स्थापित करता है।

कला और शिल्प की पहचान

छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी लोककला और हस्तशिल्प में भी झलकती है। पैवेलियन में बस्तर की ढोकरा कला—4,000 वर्ष पुरानी जीआई टैग प्राप्त धातु शिल्प—अपने अनगढ़ सौंदर्य और मौलिकता से सबको आकर्षित कर रही है। इसी तरह, कोसा सिल्क, जिसे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आत्मा कहा जाता है, पैवेलियन का मुख्य आकर्षण बना। यह अपनी प्राकृतिक चमक, मजबूती और आकर्षण के लिए विख्यात है और राज्य के वनों में पाए जाने वाले एंथरेया मायलिट्टा रेशमकीट से तैयार किया जाता है। कोसा से बनी कलात्मक इंस्टॉलेशन छत्तीसगढ़ की आत्मा को व्यक्त करती है—जहाँ आध्यात्मिकता, प्रकृति और विकास का संतुलन साफ़दिखाई देता है।

पर्यटन और विरासत की छटा

पैवेलियन में छत्तीसगढ़ की धरती की सुंदरता और धरोहर को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। नवा रायपुर, देश का पहला ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी, जिसे निवेश और औद्योगिक प्रगति के लिए तैयार किया गया है, यहाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक पहचान चित्रकोट जलप्रपात ने भी सबका ध्यान खींचा। भारत का सबसे चौड़ा जलप्रपात होने के कारण इसे भारत का नियाग्रा कहा जाता है।

इतिहास और आस्था की झलक देने वाला सीतापुर (Sirpur) पैवेलियन में प्रमुख रूप से प्रदर्शित है। यह 8वीं शताब्दी ईस्वी से जुड़ा भारत का एक विशाल बौद्ध स्थल है, जो छत्तीसगढ़ की गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का परिचायक है। भारत और जापान की सांस्कृतिक विरासत के इस जुड़ाव में, छत्तीसगढ़ बुद्ध के विचारों और शिक्षाओं से प्रेरित होकर शांति, समावेश और सतत विकास के साझा मूल्यों को आगे बढ़ाता है।

वैश्विक मंच पर छत्तीसगढ़ की दमदार उपस्थिति

वर्ल्ड एक्सपो 2025 में छत्तीसगढ़ पैवेलियन की शानदार शुरुआत और रिकॉर्डतोड़ दर्शक संख्या ने आने वाले सप्ताह की दिशा तय कर दी है। यह पैवेलियन न केवल सांस्कृतिक विविधता का उत्सव है, बल्कि छत्तीसगढ़ को सतत औद्योगिक प्रगति और वैश्विक निवेश अवसरों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करता है।

महिलाएं अब सुरक्षा की फ्रंटलाइन पर पूरी क्षमता से अपनी भूमिका निभाने को तैयार

सीआईएसएफ में पहली बार 'ऑल-वुमेन कमांडो यूनिट' की हुई शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अपनी पहली 'ऑल-वुमेन कमांडो यूनिट' तैयार की है। इस यूनिट की शुरुआत ने न केवल महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दी है, बल्कि यह भी साबित किया है कि महिलाएं अब सुरक्षा की फ्रंटलाइन पर पूरी क्षमता से अपनी भूमिका निभाने को तैयार हैं।

सीआईएसएफ की इस पहली महिला कमांडो यूनिट की 30 महिला कर्मियों का बैच इस समय मध्य प्रदेश के आरटीसी बरवहा में 8 सप्ताह के कठिन और उच्चस्तरीय कमांडो प्रशिक्षण से गुजर रहा है। इस प्रशिक्षण में क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) की ड्यूटी, लाइव-फायर अभ्यास, लंबी दूरी की दौड़, रैपलिंग, स्लिदरिंग, जंगल में जीवित रहने की रणनीतियां और 48 घंटे का आत्मविश्वास बढ़ाने वाला अभ्यास शामिल है। इस पहल के पहले चरण में 100 महिला कमांडो को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इसके बाद वर्ष 2026 में इसका विस्तार करते हुए 2,400 अतिरिक्त महिला कर्मियों को सीआईएसएफ में शामिल किया जाएगा। यह कदम गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा निर्धारित बल में 10 फीसदी महिला भागीदारी लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में उठाया गया है। सीआईएसएफने सोमवार को एक्स पोस्ट में जानकारी देते हुए लिखा, सीआईएसएफ की पहली महिला कमांडो यूनिट अग्रिम मोर्चे के लिए प्रशिक्षण ले रही है। महिला सशक्तिकरण और परिचालन उत्कृष्टता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, सीआईएसएफ ने अपनी पहली महिला कमांडो यूनिट का गठन किया है, जो महिलाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा की अग्रिम पंक्ति में ला रही है। 30 महिला कर्मियों का पहला बैच मध्य प्रदेश के आरटीसी बरवाहा में 8 सप्ताह के कठोर कमांडो प्रशिक्षण से गुजर रहा है। पाठ्यक्रम में त्वरित प्रतिक्रिया दल की ड्यूटी, लाइव-फायर अभ्यास, धीरज दौड़, रैपलिंग, स्लिथरिंग, जंगल में जीवित रहने की रणनीति और 48 घंटे का आत्मविश्वास बढ़ाने वाला अभ्यास शामिल है।

पहले चरण के तहत, 100 महिला कमांडो को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिसके बाद 2026 में इसका विस्तार किया जाएगा, जब 2,400 और महिला कर्मी बल में शामिल होंगी - जो गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा निर्धारित 10 फीसदी महिला शक्ति लक्ष्य के अनुरूप है। यह ऐतिहासिक पहल नारी शक्ति, लैंगिक समानता और अग्रिम पंक्ति की तैयारी के लिए एक बड़ी छलांग है, जो साहस, क्षमता और समावेशिता के साथ राष्ट्र की रक्षा करने के लिए सीआईएसएफ की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ी ठंडक, मौसम विभाग ने दी भारी बारिश की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीते दिनों से हो रही बारिश के चलते लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल गई है। राजधानी रायपुर समेत आस-पास के इलाकों में बारिश होने के चलते तापमान में कमी दर्ज की गई है। लगातार हो रही बारिश के चलते मौसम में ठंडक आ गई है। रविवार की रात भी राजधानी रायपुर समेत अन्य कई जिलों में जमकर बारिश हुई। वहीं मौसम विभाग की तरफ से प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने प्रदेश में होने वाली बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। वहीं मौसम विभाग ने बताया कि, राजधानी रायपुर में आज दिन भर बादल छाए रहे।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश के कई जिलों में आज जमकर बारिश होगी। मौसम विभाग के अनुसार, बस्तर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग में आज बारिश का तांडव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्सों में अगले चार दिनों तक भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, मुंगेली, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़-छुई खदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कांकेर, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले में बारिश होने की संभावना जताई है।

बिजली आपूर्ति ठप, लोग परेशान

बारिश के मौसम में रायपुर के रहवासी बिजली आपूर्ति बंद रहने से ज्यादा परेशान हुए। रविवार को रायपुर पश्चिम की दर्जनों कॉलोनियों जैसे कैलाशपुरी, पुजारी नगर, प्रोफेसर कॉलोनी, वीरभद्र नगर, मठपारा और राधा स्वामी नगर में दोपहर से बिजली आपूर्ति बंद ठप रहने से ब्लैक आउट की स्थिति रही। बिजली की अंडरग्राउंड लाइन में खराबी आने के कारण खोजने में पॉवर कंपनी के अधिकारियों को भी काफी मशक्कत करना पड़ा।

दोपहर में अचानक बिजली गुल हो जाने से हजारों लोगों का दिन खराब हो गया, दोपहर से देर शाम तक बिजली सप्लाई बंद होने से लोग परेशान रहे, आक्रोशित लोगों ने बिजली ऑफिस में फोन लगाते रहे, लेकिन कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन बिजली गुल रहती है, जिसके कारण उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, बिजली की समस्या के संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराया गया है, लेकिन स्थिति सुधर नहीं रही है, यदि ऐसा ही हाल रहा तो प्रशासन के प्रति लोगों की नाराजगी बढ़ेगी।

प्रदेश में अब तक 815.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छत्तीसगढ़ में अब तक 815.1 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1234.7 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 410.4 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 701.2 मि.मी., बलौदाबाजार में 605.1 मि.मी., गरियाबंद में 699.1 मि.मी., महासमुंद में 626.0 मि.मी. और धमतरी में 716.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 819.2 मि.मी., मुंगेली में 796.7 मि.मी., रायगढ़ में 1002.7 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 695.4 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1012.5 मि.मी., सक्ती में 889.8 मि.मी., कोरबा में 817.5 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 814.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 660.1 मि.मी., कबीरधाम में 585.3 मि.मी., राजनांदगांव में 750.9 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1048.6 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 603.9 मि.मी. और बालोद में 882.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 589.7 मि.मी., सूरजपुर में 927.2 मि.मी., जशपुर में 837.0 मि.मी., कोरिया में 943.8 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 841.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1023.5 मि.मी., कोंडागांव में 738.6 मि.मी., कांकेर में 945.9 मि.मी., नारायणपुर में 964.1 मि.मी., दंतेवाड़ा में 941.2 मि.मी., सुकमा में 755.1 मि.मी. और बीजापुर में 1017.5 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

नमस्ते सदावत्सले मातृभूमे

श्रीकंचनपथ

जिन्हें केक काटकर हैप्पी बर्थ-डे टू यू गाने में कभी हिचकिचाहट नहीं हुई उनके पेट में अब क्यों दर्द हो रहा है, कहना मुश्किल है। 50, 60, 70 या 80 के दशक में भी अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में ईसाई प्रार्थनाएं गाई जाती रही हैं। तब भी किसी को कोई आपत्ति नहीं थी। संस्कृत में प्रार्थनाएं दयानंद ऐंग्लोवैदिक स्कूलों सहित कुछ ही अन्य स्कूलों तक सीमित रहीं। संस्कृत में प्रार्थनाएं लोकप्रिय नहीं हो पाईं तो इसके पीछे के कारणों को सहज ही समझा जा सकता है। संस्कृत को एक विषय के रूप में छठवीं कक्षा से पढ़ाया जाता है। नई शिक्षा नीति या राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अब कुछ राज्यों में इसे पहली से ही पढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। उच्चारण की शुद्धता के प्रति आग्रह भी इसका एक कारण हो सकता है। संभवत: यही वजह रही कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा गाया जाने वाला गीत "नमस्ते सदावत्सले मातृभूमे" को स्कूली प्रार्थनाओं में कभी जगह नहीं मिली। जिस सहजता से ईसाई प्रार्थनाओं को स्वीकार किया गया यदि संस्कृत की प्रार्थनाओं के साथ भी ऐसा ही होता तो "नमस्ते सदावत्सले मातृभूमे" राष्ट्रीय सेवा योजना तथा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के स्वयंसेवकों के बीच तो लोकप्रिय हो ही गया होता। इस गीत के शब्द यद्यपि कठिन हैं किन्तु इनका अर्थ इतना सुन्दर और भावपूर्ण है कि यह सहज ही भारतीय सेना का आदर्श गीत हो सकता था। यह चर्चा आज इसलिए की कर्नाटक में "नमस्ते सदावत्सले मातृभूमे" गाकर दो-दो कांग्रेसी अपनी ही पार्टी के कोप का शिकार हो गए हैं। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने 21 अगस्त को कर्नाटक विधानसभा में इस गीत को गाया। इसके बाद तुमकुरु जिले के कुनिगल से विधायक एचडी रंगनाथ ने रविवार को पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान "नमस्ते सदावत्सले मातृभूमे" की पंक्तियां पढ़ीं। उन्होंने इसे बहुत अच्छा गीत बताया। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी सेक्युलर है और हमें दूसरों से अच्छी बातें अपनानी चाहिए। पर दुर्भाग्य से इन नेताओं के भाजपा में जाने की अटकलें शुरू हो गईं। इस गीत की रचना नरहरि नारायण भिड़े ने 1939 में की थी। इसे उसी साल फरवरी माह में पुणे संघ शिक्षा प्रथम वर्ग में प्रस्तुत किया गया था। तभी से संघ की शाखाओं में इसे नियमित रूप से गाया जाता है। संस्कृत की इस रचना का हिन्दी भावार्थ बहुत सुन्दर है। इसमें कहा गया है - हे प्यार करने वाली मातृभूमि! मैं तुझे सदा नमस्कार करता हूँ। तूने मेरा सुख से पालन-पोषण किया है। हे महामंगलमयी पुण्यभूमि! तेरे ही कार्य में मेरा यह शरीर अर्पण हो। हे सर्वशक्तिशाली परमेश्वर! तेरे ही कार्य के लिए हमने अपनी कमर कसी है। हमें शुभाशीर्वाद दे। ऐसी शक्ति दे, जिसे विश्व में कभी कोई चुनौती न दे सके, ऐसा शुद्ध चारित्र्य दे जिसके समक्ष विश्व नतमस्तक हो जाये। ऐसा ज्ञान दे कि स्वयं के द्वारा स्वीकृत किया गया यह कंटकाकीर्ण मार्ग सुगम हो जाये। पर वितंडेश्वरों को इससे क्या?

संपादकीय

राज्यपालों को सिर्फ पोस्ट ऑफिस नहीं समझा जाना चाहिए

केंद्र का तर्क है कि राज्यपालों का अपना लोकतांत्रिक औचित्य है। राज्यपालों को सिर्फ पोस्ट ऑफिस नहीं समझा जाना चाहिए, बल्कि उनके पास राज्यों में 'जल्दबाजी में पास कराए गए विधेयकों' को कानून बनने से रोकने का अधिकार है। राज्यपालों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ राष्ट्रपति के अभिप्रेषण (रेफरेंस) पर सुनवाई के क्रम में केंद्र ने जो दलीलें पेश की हैं, वे सिरे से समस्याग्रस्त हैं।

उन्हें स्वीकार करने का मतलब भारतीय संविधान में वर्णित संघीय व्यवस्था की समझ को आमूल रूप से बदल देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में विधानमंडलों से पारित विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी संबंधी संवैधानिक अनुच्छेद की व्यख्या की थी। न्यायालय ने कहा कि राज्यपाल ऐसे विधेयकों को सिर्फ एक बार विधायिका को लौटा सकते हैं। उसे विधायिका ने फिर पारित कर दिया, तो 90 दिन के भीतर उस पर राज्यपाल को दस्तखत करना होगा। मगर ये निर्णय केंद्र को रास नहीं आया। उसने राष्ट्रपति के अभिप्रेषण के जरिए सुप्रीम कोर्ट के पास इसे पुनर्विचार के लिए भेज दिया।

अब उसी सिलसिले में केंद्र ने अपना पक्ष कोर्ट को बताया है। उसका सार है कि राज्यपाल सिर्फ राज्यों में केंद्र के दूत नहीं हैं, बल्कि उनका अपना लोकतांत्रिक औचित्य है। चूंकि उनकी नियुक्ति केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर राष्ट्रपति करती हैं, इसलिए केंद्र का लोकतांत्रिक औचित्य राज्यपालों से जुड़ा होता है। अतः राज्यपालों को सिर्फ 'पोस्ट ऑफिस' नहीं समझा जाना चाहिए, बल्कि उनके पास राज्यों में 'जल्दबाजी में पास कराए गए विधेयकों' को कानून बनने से रोकने का अधिकार है। इस तर्क में समस्या यह है कि इसमें राष्ट्रीय चुनाव में निर्वाचन के आधार पर केंद्र के लोकतांत्रिक औचित्य को सर्व-व्यापक बताया गया है।

मतलब यह कि राज्य सरकारों का लोकतांत्रिक औचित्य केंद्र के मातहत है, भले एक जैसी चुनावी प्रक्रिया से ही वे भी चुनी गई होती हैं। अब तक भारतीय संविधान की मौजूद हर व्याख्या में अपने-अपने दायरों में केंद्र और राज्यों को समान समझा गया है। यही भारत के 'राज्यों का संघ' होने की धारणा का आधार है। लेकिन वर्तमान केंद्र सरकार की जो समझ सामने आई है, वह इस धारणा को चुनौती देती है। उसके तर्क बताते हैं कि वर्तमान सत्ताधारी केंद्र की सर्वोच्चता स्थापित कर भारत में एकात्मक शासन प्रणाली की तरफ ले जाना चाहते हैं। मगर यह प्रयास अनेक दूसरे पक्षों को स्वीकार्य नहीं होगा।

वॉटरशेडः साकार होता विकसित भारत का सपना

जल और मिट्टी संरक्षण से कृषि और किसान समृद्धि की ओर

शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री

जल ही जीवन है और मिट्टी हमारा अस्तित्व, हमारा आधार है। जल और मिट्टी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, कुएं सूख रहे हैं, नदियों की धाराएं कमजोर हो रही हैं और भूजल पाताल में समा रहा है, तब यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल और मिट्टी की रक्षा करें। जब हमारे खेत हरे-भरे होंगे और किसान खुशहाल होंगे, तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार किया जा सकेगा, क्योंकि इस संकल्प का रास्ता हमारे गांवों की पगडंडियों, उपजाऊ मिट्टी और लहलहाती फसलों से होकर ही गुजरता है।

आज बिगड़ते पर्यावरण के कई जगहों पर भूजल का स्तर हजार-डेढ़ हजार फीट नीचे चला गया है। अगर हमारी उपजाऊ मिट्टी इसी तरह बहती रही और जमीन बंजर होती रही, तो हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य कैसा होगा? इसी दूरदर्शी सोच और भविष्य की चिंता को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने एक बीड़ा उठाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमेशा दूरदृष्टि से काम किया है। वे सिर्फ आज की नहीं, आने वाले 50-100 वर्षों की सोचते हैं। उनके नेतृत्व में भारत सरकार का भूमि संसाधन विभाग, 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' के तहत 'वॉटरशेड विकास घटक (WDC-PMKSY)' को पूरे देश में लागू कर रहा है। लेकिन यह काम अकेले सरकार नहीं कर सकती। इस महायज्ञ में सरकार के साथ समाज को भी खड़ा होना पड़ेगा। यह धरती को बचाने का अभियान है। पानी, माटी, धरती बचेगी तो भविष्य बचेगा। यह योजना विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लागू की जा रही है जो सूखे और वर्षा पर निर्भर हैं और इन इलाकों में बसे हमारे किसान भाई-बहनों के जीवन में समृद्धि लाने का एक महाभियान है, जहाँ कभी पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

कई लोग मुझसे पूछते हैं कि आखिर यह वाटरशेड योजना है क्या? मैं उन्हें सरल भाषा में बताता हूँ कि यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि लोगों की अपनी, लोगों के लिए चलाई जाने वाली एक क्रांति है। इस योजना का मूलमंत्र है- खेत का पानी खेत में और गाँव का पानी गाँव में। इसके तहत हम सब मिलकर खेतों की मेड़ें मजबूत करते हैं, खेत में ही छोटे तालाब बनाते हैं, और छोटे-छोटे नालों पर चेक डैम जैसी जल-संरचनाएं खड़ी करते हैं। इससे बारिश का पानी बहकर बेकार नहीं जाता, बल्कि धीरे-धीरे धरती की प्यास बुझाता है, जिससे भूजल का स्तर बढ़ता है और मिट्टी में लंबे समय तक नमी बनी रहती है।

इस योजना की सबसे बड़ी शक्ति इसकी जन-भागीदारी है। गाँव के लोग खुद बैठकर यह तय करते हैं कि तालाब कहाँ खोदना है, मेड़ कहाँ बनानी है और पेड़ कहाँ लगाने हैं। भूमिहीन परिवारों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को भी मुर्गीपालन और मधुमक्खी पालन जैसे कामों से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इस योजना के बहुत सुखद परिणाम मिल रहे हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे किसान भाई-बहनों को मिला है, जिनकी आमदनी में 8% से लेकर 70% तक की ठोस वृद्धि हुई है। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि 2015 से अब तक, सरकार ने 20,000 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च करके देशभर में 6,382 से अधिक परियोजनाएं चलाई हैं और लगभग 3 करोड़ हेक्टेयर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने का काम किया है।

मध्य प्रदेश के झाबुआ में, जहाँ कभी सूखा एक बड़ी समस्या थी, आज आदिवासी गाँवों में पानी भरपूर है और मिट्टी की उर्वरक शक्ति भी बढ़ गई है। परियोजना क्षेत्र के 22 गाँवों में भूजल स्तर एक मीटर तक बढ़ गया है। इससे खेती में भी परिवर्तन आया है। यहीं के किसान भाई बताते हैं कि गाँव में चेकडैम बनने से अब वे मक्के के साथ-साथ चने की फसल भी ले रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी 50,000 से 60,000 तक बढ़ गई है। साथ ही झाबुआ की ही परवलिया पंचायत में 12 खेतों में बने खेत तालाबों से किसानों की आमदनी 1 लाख से 1.5 लाख प्रति हेक्टेयर तक बढ़ी है।

इस योजना के तहत 9 लाख से ज्यादा चेक डैम, रिसाव तालाब, खेत तालाब, जैसी वाटरशेड संरचनाएँ बनी हैं। 5.6 करोड़ से ज्यादा श्रम दिवस उपलब्ध हुए हैं, जिससे ग्रामीण रोज़गार में वृद्धि हुई है। वाटरशेड विकास परियोजनाओं के लागू होने से गाँवों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। जहाँ पहले पानी की कमी थी, उन परियोजना क्षेत्र में अब 1.5 लाख हेक्टेयर से ज़्यादा नए इलाक़े में जल स्रोत फैले हैं, यानी 16% का इज़ाफ़ा हुआ है। साथ ही अब किसान पारंपरिक फसलों के अलावा फलों और अन्य पेड़-पौधों की खेती भी करने लगे हैं, जिससे बागवानी और पेड़-पौधों की खेती का दायरा 12% बढ़कर 1.9 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है।

राजस्थान के बाड़मेर जैसे रेगिस्तानी इलाके में, जहाँ पानी की कमी किसानों को पलायन पर मजबूर कर रही थी, आज अनार की खेती से हरियाली लौट आई है। योजना के अंतर्गत 120 से अधिक किसानों को अनार के पौधे उपलब्ध कराए गए, जो वहाँ की बालू मिट्टी और सीमित पानी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी आसानी से पनप जाते हैं। अनार की खेती ने न केवल आमदनी बढ़ाई, बल्कि बूड़ीवाड़ा गांव के मांगीलाल परांगी का कहना है कि उनके जैसे किसान अब अरंडी छोड़कर बागवानी की ओर बढ़ गए हैं। त्रिपुरा के दाशी रियांग और बिमन रियांग जैसे किसान योजना की मदद से अनानास की बागवानी करके अपनी बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बना रहे हैं और अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।

इस पूरी क्रांति को जन-जन तक पहुँचाने और इसे एक जन-आंदोलन बनाने के लिए हमने 'वॉटरशेड यात्रा' भी निकाली। इस यात्रा के माध्यम से हमने देशभर में जल संरक्षण और भूमि संवर्धन के लिए एक जनजागरण अभियान चलाया। हमने इस योजना में तकनीक का भी भरपूर उपयोग किया है। 'भुवन जियोपोर्टल (सृष्टि)' और 'दृष्टि' मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल उपकरणों से योजनाओं की प्रगति की सटीक निगरानी हो रही है। किसानों की मेहनत और हमारी योजनाओं की वजह से, देशभर के फसल क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है। सैटेलाइट से मिले आँकड़े बताते हैं कि फसल क्षेत्र में लगभग 10 लाख हेक्टेयर (5% की वृद्धि) और जल स्रोतों के क्षेत्र में 1.5 लाख हेक्टेयर (16% की वृद्धि) का इजाफा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि 8.4 लाख हेक्टेयर से ज्यादा बंजर जमीन अब फिर से खेती के योग्य बन चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में आज अमृतकाल में हम सब मिलकर भूमि संरक्षण की एक नई गाथा लिख रहे हैं। यह सिर्फ आँकड़े नहीं हैं, यह हमारे किसानों की मेहनत और उनके बेहतर भविष्य की जीती-जागती कहानी है। जब हम पानी और मिट्टी को बचाएंगे, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित कर पाएंगे। इस संकल्प को मिलकर पूरा करें और किसानों को समृद्ध तथा भारत को विकसित बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि केवल सरकार नहीं, समाज की भागीदारी से ही यह अभियान सफल होगा। उसी सोच के तहत 'वॉटरशेड यात्रा' जैसी पहल से इस योजना को जन-जन तक पहुँचाया गया है और यह एक जनांदोलन बन चुका है। यह भारतीय किसानों की मेहनत और बदलते भविष्य की कहानी है। जब जल और मिट्टी सुरक्षित होंगी, तभी भारत सुरक्षित रहेगा। 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गाँवों की धरती समृद्ध होगी और किसान खुशहाल होंगे। आइए, मिलकर जल और माटी के इस रक्षा संकल्प को आगे बढ़ाएं।

विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण

अजीत द्विवेदी

पहले एक चुटकुले से शुरुआत करते हैं, फिर महान लेखक कृश्नचंदर की किताब 'एक गधे की आत्मकथा' का एक संदर्भ और तब राहुल गांधी और विपक्ष की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन की चर्चा करेंगे। चुटकुला ऐसे है: एक व्यक्ति वोट डालने जाता है। वोट डाल कर मतदान करा रहे अधिकारी से पूछता है- देखना मेरी पत्नी आशा देवी वोट डाल कर चली गईं? महिला अधिकारी सूची देख कर कहती है- हां, एक घंटे पहले ही वोट डाल कर चली गईं। व्यक्ति आह भरते हुए कहता है- इसका मतलब है कि एक घंटे पहले आते तो भेंट हो जाती। अधिकारी हंसती है और पूछती है- मजाक कर रहे हैं, क्या घर में आप लोगों की भेंट नहीं होती है? व्यक्ति कहता है- मेरी पत्नी को मरे हुए 15 साल हो गए लेकिन हर बार हमसे एक घंटा पहले आकर वोट डाल जाती है! यह एक व्यंग्य है, जो हम लोग कई दशकों से सुन और सुना रहे हैं। इसका मतलब है कि मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम होते हैं और उनका वोट कोई और डालता है। यह प्रक्रिया आजादी के बाद से ही चल रही है।

भारत की चुनाव व्यवस्था पर तंज करने वाला यह व्यंग्य इसलिए याद आया क्योंकि पिछले दिनों राहुल गांधी बिहार के कुछ ऐसे लोगों से मिले, जिन्हें मृत बता कर उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मृत व्यक्तियों के साथ चाय पीकर बहुत मजा आया। सवाल है कि जब मृत व्यक्ति वोट डाल सकता है तो जीवित व्यक्ति को मृत बता कर उसका नाम काट देना कौन सी बड़ी बात है? उनको कुछ समय पहले बनी 'कागज' फिल्म देखनी चाहिए। सतीश कौशिक निर्देशित और पंकज त्रिपाठी के बेहतरीन अभिनय वाली इस फिल्म में एक मृत घोषित कर दिया गया व्यक्ति अपने को जीवित साबित करने के लिए संघर्ष करता है। यह कहानी जिस घटना पर आधारित है वह दशकों पुरानी, तब देश में कांग्रेस का ही शासन होता था। देश के कई राज्यों में शासन की व्यवस्था जीवित लोगों को मृत घोषित कर देती है और उसके बाद वे अपने को जीवित साबित करने के लिए बरसों संघर्ष करते हैं। लगता है इस तरह की कहानियां भी राहुल गांधी ने नहीं सुनी हैं। तभी वे ऐसे लोगों से मिल कर आश्चर्यचकित हो रहे थे, जिनको मृत बता कर मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उनका आश्चर्य ऐसे बच्चे की तरह है, जिसको अभी आंखों की रोशनी मिली हो और वह ट्रेन देख कर विस्मित हो रहा हो!

बहरहाल, महान लेखक कृश्नचंदर की चर्चित किताब है 'एक गधे की आत्मकथा'। इसमें गधा पंडित जवाहरलाल नेहरू से भी मिलता है। उससे पहले वह उनकी सरकार के कुछ और मंत्रियों से भी मिलता है। उससे पहले उसकी मुलाकात दिल्ली के एक इलाके के थानेदार से होती है। थानेदार इस पर आश्चर्यचकित होता है कि गधा इंसानों की तरह बोल रहा है। वह कहता है कि उसने बहुत सारे इंसानों को तो गधों की तरह बोलते सुना है लेकिन पहली बार किसी गधे को इंसानों की तरह बोलते सुन रहा है। कहने का मतलब है कि गधा आदमी की तरह बोले तो आश्चर्य होता है लेकिन आदमी गधों की तरह बोलें, को कोई फर्क नहीं पड़ता है। राहुल गांधी का आश्चर्य उसी तरह का है। यानी मृत लोग जीवित लोगों की तरह मतदान करें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है लेकिन जीवित लोगों को मृत बता कर वोट काट दिया जाए तो वह बड़े आश्चर्य की बात है!

राहुल गांधी से लेकर योगेंद्र यादव और सुप्रीम कोर्ट के माननीय जज इस बात पर ऐसे हैरान हो रहे थे, जैसे यह कोई अनहोनी बात हो। असल में यह कोई अनहोनी बात नहीं है। मतदाता सूची में ऐसी खामियां होती हैं और यह व्यवस्था की वजह से होती है। चुनाव आयुक्त इसके लिए खासतौर से निर्देश नहीं जारी करते हैं। वैसे ही जैसे कई राज्यों में जीवित लोगों के नाम पेंशन की सूची से कट जाता है और वे भागदौड़ करते रहते हैं अपने को जीवित साबित करने के लिए। इसके लिए भी कहीं ऊपर से निर्देश नहीं आता है। सोचें, कोई 15 साल पहले जब आधार कार्ड बनना शुरू हुआ था तो बिहार में शाहरूख खान और सलमान खान के भी आधार कार्ड बन गए। क्या यूआईडीएआई के तत्कालीन प्रमुख नंदन नीलेकणी ने इसके लिए निर्देश दिए होंगे! एक समय बिहार में अभिनेत्री ममता कुलकर्णी का वोटर कार्ड भी बन गया था तो क्या तत्कालीन चुनाव आयुक्त ने इसके लिए निर्देश भेजा होगा? ऐसे ही बिहार में लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण का ड्राइविंग लाइसेंस बन गया था। तो क्या बिहार के परिवहन मंत्री या परिवहन सचिव ने नीचे आदेश देकर प्रभाकरण का लाइसेंस बनवाया? असल में यह व्यवस्था की खामी है कि कुछ जीवित लोगों के नाम मतदाता सूची से कट जाते हैं तो कुछ मृत व्यक्तियों के नाम सूची में रह जाते है या किसी के पिता का या पति का नाम गलत हो जाता है। यह काम चुनाव आयुक्त निर्देश देकर नहीं कराते हैं। बिहार में एसआईआर के पहले चरण के बाद जितनी शिकायतें सामने आई हैं उनको देख कर यही लग रहा है कि नीचे के कर्मचारियों की लापरवाही से कुछ गड़बड़ियां हुई हैं। ध्यान रहे एक सितंबर से 18 सितंबर के बीच सिर्फ 45 हजार शिकायतें आयोग को मिली हैं। यह काटे गए 65 लाख नामों के एक फीसदी से भी कम है।

तभी कुल मिला कर विपक्ष की कहानी में दम नहीं दिख रहा है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में दुनिया भर की गड़बड़ियां हुई हैं। बूथ लेवल अधिकारियों ने घर में बैठ कर मनमाने तरीके से फॉर्म भरे हैं और उन्हें जमा करा दिया है। लेकिन क्या पहले भी इसी तरह से मतदाता सूची नहीं बनती थी? क्या पहले इसी तरह से आधार नहीं बने हैं, क्या इसी तरह से जनगणना नहीं होती है और क्या इसी तरह से बिहार में जाति गणना के फॉर्म नहीं भरे गए थे? बिहार या कहीं के लोगों को इससे कोई मतलब नहीं है कि प्रक्रिया क्या रही। अंत नतीजा यह है कि सवा सात करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं। अब उनको इस बात से कोई मतलब नहीं है कि कैसे किसका नाम आया और कैसे किसका नाम कट गया। अगर 65 लाख लोगों के नाम कटे हैं, जिनमें कुछ नाम गलत तरीके से कट गए हैं तो उनसे भी बाकी लोगों को कोई मतलब नहीं है। उनके पास समय भी है कि वे फॉर्म छह भर कर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं।

लेकिन विपक्षी पार्टियों को क्या कहा जाए? उनको लगता है कि बिहार आंदोलन की धरती है तो किसी भी बात पर आंदोलन हो जाएगा। ऐसे नहीं होता है। आंदोलन के लिए मुद्दा भी होना चाहिए और नेता भी जरूरी है। इस बार दोनों नहीं हैं। हर हार के बाद राहुल गांधी और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता कभी ईवीएम को दोष देते हैं तो कभी मतदाता सूची में गड़बड़ी को तो कभी चुनाव आयोग की धांधली को। इसमें भी समस्या नहीं है। विपक्ष को ऐसे आरोप लगाने चाहिए। लेकिन मुश्किल तब होती है, जब विपक्षी पार्टियां सचमुच मानने लगती हैं कि वे किसी धांधली या गड़बड़ी से हारी हैं और अगर गड़बड़ी नहीं होती तो वे चुनाव जीत जाते। क्या सचमुच विपक्ष की हार का मामला इतना सरल है? हो सकता है कि कुछ गड़बड़ियां होती हों लेकिन विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण हैं और भाजपा की जीत सिर्फ चुनावी धांधली की वजह से नहीं है। जहां तक व्यवस्था में गड़बड़ी का सवाल है तो उस मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड बहुत ज्यादा खराब है। इस पर कल चर्चा करेंगे।

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच खिचीं सियासी तलवारें

चुनाव नतीजों को सहज स्वीकार करना चुनावी लोकतंत्र के टिकाऊ होने की बुनियादी शर्त है। इसी से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तातंरण संभव होता है। इन स्थितियों के अभाव में अनगिनत देशों को राजनीतिक अशांति और उथल-पुथल से गुजरना पड़ा है। मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता का है, लेकिन इस प्रश्न ने निर्वाचन आयोग और विपक्षी दलों के बीच सियासी जंग का रूप ले लिया है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, जिसका एक आक्रामक रूप रविवार को देखने को मिला, जब एकतरफ बिहार में सासाराम से महागठबंधन ने आयोग को निशाने पर रखते हुए वोटर अधिकार यात्रा शुरू की, वहीं निर्वाचन आयोग ने नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस कर विपक्ष को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग पर भारतीय जनता पार्टी से मिलीभगत का इल्जाम लगाया, तो मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह अजीब चुनौती पेश कर दी कि मतदाता सूचियों में हेरफेर संबंधी अपने आरोपों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हफ्ते भर के अंदर आयोग के सामने हलफनामा नहीं दिया, तो उनके सारे इल्जाम गलत माने जाएंगे।

यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच सियासी तलवारें खिचें, यह स्वाभाविक घटनाक्रम है। लेकिन किसी एक राजनीतिक पक्ष के निशाने पर कोई संवैधानिक संस्था आ जाए, तो उसे व्यवस्था के गहराते संकट के रूप में ही देखा जाएगा। अब सूरत यह है कि विपक्ष और उसके समर्थकों की निगाह में हर वैसे चुनाव का नतीजा संदिग्ध होगा, जिसमें वे विजयी ना हुए हों। उस स्थिति में उनका यही दावा होगा कि 卐चुनाव को चुरा लिया गया। दूसरी तरफ निर्वाचन आयोग ऐसे आरोप को ठुकरा देगा और केंद्र में सत्ताधारी पार्टी उसके बचाव में आ खड़ी होगी।

धीरे-धीरे यह रुझान भारतीय लोकतंत्र की साख को क्षीण करता जाएगा। चुनाव नतीजों को सहज स्वीकार करना चुनावी लोकतंत्र के टिकाऊ होने की बुनियादी शर्त है। इसी से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तातंरण संभव होता है। इन स्थितियों के अभाव में अनगिनत देशों को राजनीतिक अशांति और उथल-पुथल से गुजरना पड़ा है। भारत में वैसी आशंका को हर हाल में टाला जाना चाहिए। निर्वाचन आयोग चाहे, तो इस दिशा में शुरुआत कर सकता है। उसे इस या किसी विवाद में एक पक्ष बन जाने की जरूरत नहीं है। अगर शिकायतें आई हैं, तो सदिच्छा और विनम्रता के साथ उसे तुरंत विपक्ष से संवाद शुरू करना चाहिए।

संसद संवाद और बहस का मंच है, हंगामे का नहीं

ललित गर्ग

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी संसद होती है। संसद वह संस्था है जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और कानूनों पर विचार-विमर्श करते हैं। यह वह सर्वोच्च मंच है जहाँ विभिन्न विचारधाराएं और दृष्टिकोण टकराते हैं और देशहित में समाधान निकलता है। लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारतीय संसद की छवि हंगामे, तोड़फोड़, शोर-शराबे और गतिरोध का पर्याय बनती जा रही है। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र इसकी बानगी था, जो आरंभ से अंत तक त्रासद हंगामे की भेंट चढ़ गया। यह सत्र बेहद निराशा एवं अफसोसजनक रहा, क्योंकि सरकार और विपक्ष में टकराव उग्र से उग्रत्तर हुआ। राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे और लोकसभा में 37 घंटे काम हुआ। संवाद एवं सौहाई की कमी दिखी, कई सवाल अधूरे रहे, जिनका जवाब देश जानना चाहता था। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी, सौहार्द और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी, लेकिन देशहित को दोनों पक्षों ने नेस्तनाबूद किया। यह स्थिति केवल दुखद ही नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है।

लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निर्धारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। संसद में बिताया गया प्रत्येक घंटा जनता के करोड़ों रुपये की कमाई से संचालित होता है। जब वही समय व्यर्थ हो जाए तो यह सीधे-सीधे जनता के साथ अन्याय है। गुजरात के एक निर्दलीय सांसद ने यह प्रश्न उठाया भी कि जो सांसद हंगामा कर सदन को ठप कर देते हैं, क्या वे जनता के धन की बरबादी की भरपाई करेंगे? यह प्रश्न केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी गंभीरता की कसौटी भी है। काम कम, हंगामा अधिक-आखिर हमारे राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की मर्यादा एवं आदर्श को तार-तार करने पर क्यों तुले हैं? कैसी विडम्बना है कि लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है और आवश्यक भी। विपक्ष का काम ही है सवाल उठाना, सत्ता को जवाबदेह बनाना। लेकिन यह काम हंगामे, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं हो सकता। संसद संवाद का मंच है, न कि संघर्ष का अखाड़ा। दुर्भाग्य यह है कि आज बहस और तर्क की जगह हंगामे और टकराव ने ले ली है। इससे न तो जनता की समस्याओं पर गंभीर विमर्श हो पाता है और न ही संसद की गरिमा सुरक्षित रह पाती है। सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर पड़ना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ताजनक है।

भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी-बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है। उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग बढ़ रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन-एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति-यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी।

संसद में हंगामे की प्रवृत्ति में केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष भी अक्सर इसमें बराबर का भागीदार होता है। जब कोई दल विपक्ष में होता है तो वह विरोध के लिए हरसंभव कदम उठाता है, और जब वही दल सत्ता में आता है तो संसद की गरिमा की दुहाई देने लगता है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र को कमजोर करता है। संसद को सुचारुरूप से चलाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि वे जनता के सेवक हैं, और जनता उनके कामकाज पर पैनी नजर रखती है। संसद में अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद बार-बार हंगामा करता है, सदन की कार्यवाही बाधित करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। आर्थिक दंड एक प्रभावी उपाय हो सकता है। जिस प्रकार एक कर्मचारी को कार्यालय में अनुशासन भंग करने पर वेतन काटा जाता है, उसी प्रकार सांसद का भत्ता और सुविधाएं भी रोकी जानी चाहिए। तभी उन्हें यह समझ आएगा कि संसद खेल का मैदान नहीं बल्कि देशहित का पवित्र मंच है।

कई बार सांसद यह तर्क देते हैं कि यदि उनकी आवाज संसद में नहीं सुनी जाती तो वे मजबूर होकर हंगामा करते हैं। लेकिन यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। संसद में बोलने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विशेष उल्लेख, स्थायी समितियाँ-ये सभी मंच सांसदों को मुद्दे उठाने का अवसर देते हैं। यदि इन मंचों का सही उपयोग हो तो हंगामे की कोई आवश्यकता नहीं रहती। सड़क की राजनीति और संसद की राजनीति में अंतर होना चाहिए। यदि संसद भी सड़क जैसी दिखने लगे तो लोकतंत्र की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। अब समय आ गया है कि जनता अपने सांसदों से सवाल पूछे। मतदाता केवल जाति, धर्म या दल देखकर वोट न दें, बल्कि यह भी देखें कि उनका प्रतिनिधि संसद में कितना समय उपस्थित रहता है, कितनी बार बोलता है, कितने प्रश्न पूछता है और कितनी गंभीरता से बहस में भाग लेता है। चुनाव आयोग और मीडिया को भी यह आँकड़े मतदाताओं तक पहुँचाने चाहिए। जब मतदाता यह तय करने लगेंगे कि उनका वोट केवल उन नेताओं को जाएगा जो संसद में गंभीरता से काम करते हैं, तभी यह प्रवृत्ति बदलेगी।

लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों से होती है जो उन्हें संचालित करते हैं। यदि सांसद ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे। असहमति और संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, परंतु वह असहमति तर्क और संवाद से होनी चाहिए, हंगामे और अव्यवस्था से नहीं। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। यह जनता की गाढ़ी कमाई की बरबादी है और उनकी उम्मीदों का अपमान भी। यह संसाधनों की बर्बादी एवं जनविश्वास का हनन है। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है। पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाढ़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है। संसद में केवल वही बहसें होनी चाहिए जो देश के भविष्य को दिशा दें, समस्याओं का समाधान निकालें और नीतियों को प्रभावी बनाएँ। यदि संसद ही शोरगुल और हंगामे का अखाड़ा बन जाए तो लोकतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। विरोध भी जरूरी है, पर मुद्दों पर और सकारात्मक उद्देश्य के साथ।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

गजेन्द्र यादव को मंत्री बनाए जाने पर यादव समाज में भारी उत्साह

दुर्ग । दुर्ग विधायक गजेन्द्र यादव को मंत्री बनाए जाने पर यादव समाज में भारी उत्साह है प्रदेश भर से यादव समाज के लोगों का उन्हें बधाई देने आज उनके दुर्ग स्थित बंगले में तांता लगा रहा। छत्तीसगढ़ ठेठवार यादव महासभा के अध्यक्ष गुलेन्द्र यादव ने कहा कि लंबे समय के बाद यादव समाज को सत्ता में भागीदारी मिली इससे समाज के लोग उत्साहित है। मुख्यमंत्री ने निगम मंडलो में भी यादव समाज को संख्या बल के हिसाब से प्रतिनिधित्व देने का अश्वासन दिया है। बस्तर क्षेत्र से पहुंचे दंवेवाड़ा यादव समाज अध्यक्ष भुलुराम यादव, गणेश यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या क्षेत्र के यादव समाज के लोग पहुंचे थे जिन्होंने कहा की बस्तर क्षेत्र में भी यादवों में खुशी की लहर है।

इस दौरान ठेठवार यादव समाज के रायपुर राज अध्यक्ष संतोष यादव, दुर्ग राज अध्यक्ष राजकुमार यादव, दुर्ग जिला अध्यक्ष मुकेश यादव, भिलाई नगर अध्यक्ष नरेन्द्र यादव, प्रांतीय प्रवक्ता रोमशंकर यादव, रिवेन्द्र यादव, बलराम यादव, हीरा यादव,वसुंधरा यादव, सत्यभामा यादव, गोविंदा लखन, अभिषेक यादव, नरोत्तम यदु, मिथलेश यादव, राजेन्द्र यादव, नंद झरोखा यादव , शिवानंद यादव,महेश ठेठवार, बिरेन्द्र यदु, राजू यादव, हरिराम यादव, विजेता यादव, सरोज यादव ,रामजीवन यादव, नवीन यादव, बसंत यादव, राजनांद गांव जिला से रितेश यादव, बंटी यादव, अशोक यादव, गुड्डू यादव, धर्मेन्द्र यादव शामिल रहे।

फिट इंडिया पहल के तहत दुर्ग पुलिस ने निकाली साइकिल रैली, फिटनेस का दिया संदेश

दुर्ग। फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज की थीम को साकार करने के लिए जिला पुलिस दुर्ग द्वारा रविवार 24 मई 2025 को साइकिलिंग अभियान का विशेष संस्करण Sunday Of On Cycle आयोजित किया गया। यह आयोजन खेलो इंडिया योजना के फिट इंडिया मूवमेंट के तहत पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम, दुर्ग से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल (भा.पु.से.) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने साइकिल रैली को रवाना करने से पहले अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा यह आयोजन केवल एक दिन के लिए नहीं है, बल्कि जीवनशैली में फिटनेस को शामिल करने की पहल है। यदि हम प्रतिदिन आधा घंटा फिटनेस के लिए निकालें तो न केवल नौकरी के दौरान बल्कि रिटायरमेंट के बाद भी स्वस्थ और सुखी जीवन जी सकते हैं। हमें साइकिल को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहे।

तीजा पर्व सामाजिक एकता और संस्कृति का प्रतीक : महापौर

तीजहारिन महिला संग सादगी और आत्मीयता का आयोजन, करेला-भात और खीरे से निभाई गई लोक परंपरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार ने रविवार की शाम अपने सरकारी आवास एफ-4 पर विशेष करू भात भोज का आयोजन किया। सभी तीज हारिन को आमंत्रित कर तीजा पर्व से जुड़ी पारंपरिक रस्म निभाई गई। महापौर अलका बाघमार ने बताया कि छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में तीजा पर्व महिलाओं का महत्वपूर्ण त्योहार है।

इस पर्व में महिलाएं अपने परिवार की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हैं। करू भात भोज इस पर्व का पहला चरण होता है, जिसमें महिलाएं करेला और भात का सेवन करती हैं और उसके बाद खीरा खाकर विश्राम करती हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल धार्मिक महत्व का नहीं बल्कि लोक परंपराओं और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है।इस अवसर पर भारी संख्या में

महिलाएं मौजूद रही

सादगी और आत्मीयता का वातावरण

कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने स्वयं भोजन परोसकर महिला अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान किया। सादगी भरे इस आयोजन में परंपरागत भोजन की थाल सजाई गई, जिसमें करेला-भात के साथ अन्य व्यंजन भी रखे गए थे। मौके पर उपस्थित महिला कर्मचारियों ने भी एक-दूसरे के साथ पर्व की परंपरा साझा की और इसे सांस्कृतिक धरोहर बताया।

महापौर का संदेश

महापौर बाघमार ने कहा तीजा पर्व हमारी मातृशक्ति का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है और सामाजिक व पारिवारिक एकता को मजबूत करता है। नगर निगम परिवार भी इसी भावना से एकजुट है। महिलाओं के योगदान के बिना समाज अधूरा है, आज का यह आयोजन उनकी शक्ति और परंपरा को सम्मान देने का एक छोटा सा प्रयास है।

महिला कर्मचारियों की प्रतिक्रिया

नगर निगम की महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महापौर का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से उन्हें सम्मान और अपनापन मिलता है। कई महिलाओं ने बताया कि रोज़मर्रा की व्यस्तता के बीच इस प्रकार के पारंपरिक कार्यक्रम उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं।

सामाजिक एकता का संदेश

पूरे आयोजन में सौहार्द और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में आईं और एक-दूसरे को तीजा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। महापौर ने सभी को परिवार और नगर की समृद्धि की कामना करते हुए तीजा पर्व की बधाई दी।

सेक्टर-6 सोसाइटी से जुड़े बीएसपी कर्मियों को मिलेगा 10 प्रतिशत लाभांश, सदस्यों में हर्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिकों की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 भिलाई नगर की 62 वीं वार्षिक आम सभा रविवार को परशुराम भवन सेक्टर-2 में आयोजित की गई। इस दौरान अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने संस्था की उपलब्धियों एवं वित्तीय स्थिति के बारे में अपना वार्षिक प्रतिवेदन रखा।

उन्होंने सभा को बताया कि वर्ष 2024-25 में सोसाइटी का सकल लाभ 5 करोड़ 36 लाख, 26 हजार 381 रूपए तथा शुद्ध लाभ 2 करोड़, 69 लाख 171 रूपए हुआ है। बेहतर वित्तीय परिणामों के आधार पर उन्होंने मौजूदा वित्तीय वर्ष में 10 प्रतिशत लाभांश वितरित करने की घोषणा की। सदस्यों ने इसका स्वागत करते हुए संस्था की सुदृढ़ आर्थिक स्थिति पर हर्ष व्यक्त किया। आमसभा में अंकेक्षित वित्तीय पत्रक वर्ष 2024-25 का अनुमोदन,वर्ष 2024-25 का देय लाभांश का अनुमोदन, कर्मचारियों को वर्ष 2023-24 के लिए माह अक्टूबर 2024 में किए गए एक्सग्रेशिया राशि भुगतान का अनुमोदन, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेखा पत्रकों का अंकेक्षण हेतु संपरीक्षक की नियुक्ति, वर्ष 2026-27 के प्रस्तावित बजट का अनुमोदन सहित कई अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई।

अध्यक्ष श्री मिश्र बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक सोसाइटी की कुल अंश पूंजी 4 करोड़, 53 लाख , 56 हजार, 869 रूपए हो गई है। वहीं कुल अमानत 29 करोड़, 11 लाख, 18 हजार 650 रुपए हैं।

अध्यक्ष श्री मिश्र ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में सदस्यों को कुल 16 करोड़, 85 लाख, 76 हजार रुपए का ऋण वितरित किया गया और 15 करोड़, 98 लाख, 95 हजार रुपए वसूली में हासिल हुए है। उन्होंने कुटुम्ब सहायक योजना का ब्यौरा देते हुए सदस्यों को बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 447 प्रकरणों में कुल 39 लाख, 27 हजार, 432 रुपए का भुगतान किया गया। इनमें दिवंगत हुए 8 सदस्यों का प्रकरण भी शामिल है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक सदस्य से उनके मासिक वेतन से कटौती कर राहत कोष का निर्माण किया गया है और इसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक करोड़, 98 लाख, 63 हजार की राशि शेष है। श्री मिश्र ने सदस्यों को बताया कि सोसाइटी द्वारा अपने सदस्यों को 5 लाख तक नियमित ऋण में बीमा पॉलिसी की छूट दी जा रही है। वर्तमान में आकस्मिक ऋण की सीमा तीन लाख है। आमसभा में संस्था के विकास एवं सदस्यों के हितार्थ कई अन्य महत्वपूर्ण सुझाव भी सदस्यों से प्राप्त हुए। जिन्हें परीक्षण के उपरांत भविष्य में लागू करने का निर्णय लिया गया। आमसभा के दौरान मंच पर संस्था की उपाध्यक्ष श्रीमती इंदरजीत कौर,अमिताभ वर्मा व संचालक मंडल के सदस्यगण विनोद कुमार वासनिक,के. पी.चंद्राकर, हरिराम यादव, पवन कुमार साहू, नीरजा शर्मा, जैनेंद्र कुमार गहिने एवं संस्था के प्रतिनिधिगण शैलेश कुमार सिंह,सुनील कुमार शर्मा एवं तरुण कुमार ध्रुव की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक एम.मुरलीधर ने तथा आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष श्रीमती इंदरजीत कौर ने व्यक्त किया। आमसभा में अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने आमसभा को बताया कि विगत 62 वर्षों में सोसाइटी ने उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए एक अरब 7 करोड़ रूपए की पूंजी अर्जित कर प्रदेश के सहकारी आंदोलन में एक कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में 76 नए सदस्य बनें है और इस तरह वर्षांत में सदस्यों की कुल संख्या 33 हजार 274 है।

भिलाई की उषा बनीं आयकर अफसरों के संघ की उपाध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में पदस्थ आयकर अधिकारी उषा शैलेष को आयकर राजपत्रित अफ़सर एसोसिएशन (आईटीजीओए) में उपाध्यक्ष चुन लिया गया है। आयकर अफसरों के इस अधिकृत संगठन के 96 साल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी महिला को समूचे मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ स्तर पर नेतृत्व में जवाबदारी मिली है। उषा के उपाध्यक्ष चुने जाने पर बधाईयों का सिलसिला जारी है।

उल्लेखनीय है कि आयकर राजपत्रित अफ़सर एसोसिएशन की 48 वीं द्विवार्षिक सामान्य सभा (2025-27) का आयोजन 21 और 22 अगस्त को इंदौर में किया गया था। इस बैठक में केंद्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों का चुनाव हुआ। इस चुनाव में 'आपका-अपना' और 'सेवा संकल्प' पैनल मैदान में थे। इसमें 'आपका-अपना' पैनल से सभी पदाधिकारी पूर्ण बहुमत से विजयी हुए। इनमें अध्यक्ष संजय रामटेके भोपाल से, उपाध्यक्ष उषा शैलेष और विजय गुप्ता, महासचिव डॉक्टर दीपक कुमार और अतिरिक्त सचिव अंबरीश कुमार चुने गए है। आपका-अपना पैनल के अध्यक्ष संजय रामटेके एवं महासचिव डॉक्टर दीपक कुमार के कुशल नेतृत्व में 96 वर्षों में पहली बार एक महिला प्रत्याशी को केंद्रीय नेतृत्व में शामिल किया गया है। उपाध्यक्ष उषा शैलेष ने अपने उद्बोधन में मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ के हर चार्ज में एक महिला शिकायत सेल गठित करने के निर्णय की जानकारी दी। उषा शैलेश के उपाध्यक्ष चुने जाने पर समूचे मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ के आईटीजीओए सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

दुर्ग में विशाल रक्तदान शिविर : 400 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित, मानवता की मिसाल बनी पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार 24 अगस्त को जिला अस्पताल दुर्ग के ब्लड सेंटर में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ कलेक्टर अभिजीत सिंह, सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. चुरेंद्र, नव दृष्टि फाउंडेशन प्रमुख राज आढ़तिया, रोटरी क्लब ऑफ़ भिलाई पिनाकल की अध्यक्ष डॉ. पूर्वा रोज़िंदार, ब्र.कु. रीटा दीदी और ब्र.कु. रूपाली दीदी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने इस अवसर पर

कहा रक्त एक ऐसी शक्ति है जिसकी सृजन करने की शक्ति ईश्वर ने केवल मनुष्यों को दी है। कोई कितना भी धन-संपत्ति अर्जित कर ले, लेकिन जब रक्त की आवश्यकता होगी तो उसे मनुष्य की ओर ही देखना होगा। मानवता सर्वोपरि है और रक्तदान इसी का सच्चा प्रतीक है।

शिक्षा नीति की आत्मा है संस्कृत, जिसने बनाया भारत को विश्वगुरु

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ संस्कृत शिक्षा सेवा संस्थान द्वारा पन्द्रह दिवसीय संस्कृत महोत्सव का सफल सम्पूर्ति समारोह सम्पन्न हुआ। आभासीय पटल पर लोकप्रिय हुए इस समारोह से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब एवं हरियाणा के साथ अन्य प्रदेशों के विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने भी गहरी रुचि दिखाई। गूगल मीट पर उन सभी की जिज्ञासा देखते ही बनती। स्वामी गोविन्द गिरि महाराज अयोध्या, आयोजक संस्थान के अध्यक्ष आचार्य नवीन शर्मा बिलासपुर एवं भिलाई के प्रसिद्ध विद्वान् डॉ.महेश चन्द्र शर्मा ने विशेष रूप से गरिमामय मार्गदर्शन दिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय उज्जैन के पूर्व कुलपति प्रो.रमेश चन्द्र पण्डा ने बताया कि संस्कृत भारतीय ज्ञान परम्परा का मूल आधार है। डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्कृत प्राध्यापक डॉ.नौनिहाल गौतम ने कहा कि ज्ञान भारतम्‌ भारत शासन का नया उपक्रम है। सत्यमेव जयते की तरह पूरे देश की संस्थाओं के आदर्श वाक्य संस्कृत में हैं। छ.ग.संस्कृत विद्या मण्डलम् के पूर्व अध्यक्ष डॉ.सुरेश कुमार शर्मा ने विस्तार से संस्कृत का महत्व रेखांकित किया और छत्तीसगढ़ी-संस्कृत शब्दकोश रचना की जानकारी दी। भिलाई के आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि नाट्यशास्त्र विश्व धरोहर है और नटराज शिव नाटक और नृत्यों के आराध्य देव हैं। साथ ही 14 माहेश्वर सूत्र उनके डमरू से निकले हैं। आयोजन के सूत्रधार डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि 15 दिवसीय यह ज्ञान यज्ञ और परिचर्चा यह सिद्ध करने में पूर्ण सफल रहा कि संस्कृत विज्ञान का आधार है । इस संस्कृत महोत्सव के दौरान श्लोक पाठ प्रतियोगिता, गीता प्रश्न मंच प्रतियोगिता एवं संस्कृत सम्भाषण प्रतियोगिता में भी सक्रिय भागीदारी रही। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की डॉ.पूर्णिमा केलकर, आचार्य मुकेश चौबे, आचार्य युवराज मिश्र, डॉ. रूपेन्द्र राधेश्याम तिवारी एवं आचार्य हेमन्त शर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा। इस डॉ. तोयनिधि वैष्णव, डॉ.दिव्या देशपाण्डेय, दुर्गेश नन्दिनी सोनी,सरस्वती श्रीवास्तव, ईश्वरी देवांगन, श्रद्धा दुबे, ईश्वरी प्रसाद साहू , शैलेश कुमार शर्मा, मनोज वैष्णव, पुराणिक निषाद, संतोष बघेल एवं रामायण साहू आदि अनेकानेक संस्कृत शिक्षक वृन्द जुड़े रहे।

मच्छरजनित रोगों के खिलाफ बीएसपी का जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा इस्पात नगरी के नागरिकों को डेंगू, मलेरिया तथा अन्य मच्छरजनित रोगों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से चलाये जा रहे व्यापक जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के उपायों के प्रति सजग करना तथा नगर क्षेत्र में मच्छरों के संभावित प्रजनन स्थलों को समाप्त करना है।

इस अभियान के अंतर्गत जिला मलेरिया विभाग के सहयोग से भुगतान के आधार पर 120 ब्रीडर चेकर और सर्वेयर की विशेष टीम गठित की गई है। ये टीमें टाउनशिप के सभी घरों में गहन डेंगू सर्वे कार्य के साथ-साथ नागरिकों को डेंगू से बचाव के तरीकों के बारे में भी जागरूक कर रही हैं। ब्रीडर चेकर्स टीम का मुख्य कार्य न केवल लार्वा की पहचान करना है, बल्कि नागरिकों को यह समझाना भी है

कि किस प्रकार वे अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखकर इस समस्या पर नियंत्रण पा सकते हैं।

बीएसपी के नगर सेवाएँ विभाग के अंतर्गत जन स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार विभिन्न सेक्टरों में जाकर लोगों से अपील कर रही हैं कि घरों में पानी जमा न होने दें, कूलर और टंकियों की नियमित सफाई करें तथा मच्छरदानी का उपयोग करें। इसके अतिरिक्त बैकलेन क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनमें फॉगिंग, टेमीफॉस का वितरण और अन्य कीटनाशकों का छिड़काव कर मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट किया जा रहा है।

इस्पात नगरी में मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए 23 जून 2025 से प्रारंभ इस सघन अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों में आवासीय क्षेत्रों का सर्वे और घर-घर निरीक्षण, घरों एवं बैकलाइन क्षेत्रों में दवाओं का छिड़काव, पोर्टेबल और वाटर फॉगिंग, ऑयलिंग तथा टेमीफॉस का वितरण शामिल हैं। साथ ही जल संग्रहण के पात्रों जैसे कूलर, टंकी, ड्रम आदि को खाली करवाकर उनमें दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है। डोर-टू-डोर जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को निवारक उपायों की जानकारी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, जिन घरों में डेंगू के लार्वा पाए जाते हैं, उन पर पेनाल्टी लगाने का प्रावधान भी किया गया है।

प्रतिवर्ष डेंगू के मामलों में वृद्धि का प्रमुख कारण एडीज मच्छरों के लिए अनुकूल प्रजनन की स्थिति है। वर्षा ऋतु के दौरान स्थिर पानी का जमाव, घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में पानी संग्रहण और मच्छर नियंत्रण के प्रति अपेक्षाकृत कम जागरूकता भी इस समस्या को बढ़ावा देती है। मानसून के मौसम में उच्च आर्द्रता और गर्म तापमान मच्छरों की आबादी बढ़ाने में सहायक होते हैं, जिससे डेंगू का खतरा और अधिक बढ़ जाता है।

जन स्वास्थ्य विभाग, भिलाईवासियों से पुनः आग्रह करता है कि वे भी मच्छर नियंत्रण के इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें। व्यक्तिगत स्तर पर अपनाए जा सकने वाले सरल उपाय, जैसे कूलर और पानी की टंकियों को प्रति सप्ताह एक बार पूरी तरह खाली कर साफकरना, पुराने टायरों, खाली बर्तनों व गमलों में पानी जमा न होने देना, जहाँ पानी खाली करना संभव न हो वहाँ तेल की कुछ बूँदें डालना और मच्छरदानी का नियमित उपयोग करना, डेंगू की रोकथाम में अत्यंत प्रभावी हैं। विगत 8-9 वर्षों से प्रतिवर्ष चलाए जा रहे इस अभियान को इस वर्ष और अधिक सख्ती तथा व्यापक जनभागीदारी के साथ लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन, जिला प्रशासन के साथ मिलकर संयुक्त प्रयासों से इस्पात नगरी को डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों से सुरक्षित बनाए रखने के लिए प्रयास कर रहा है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

वक्ता मंच दिव्यांग आश्रम पहुंचा

रायपुर। प्रदेश की प्रतिष्ठत सामाजिक संस्था वक्ता मंच के कार्यकर्ताओ ने दलदल सिवनी स्थित दिव्यांग आश्रम पहुंचकर आश्रम के संचालक एवं रहवासियों से मुलाकात की। जन सामर्थ्य कल्याण समिति द्वारा राकेश सिंग ठाकुर के नेतृत्व में संचालित इस आश्रम में दिव्यांग लोगों के आवास, प्रशिक्षण एवं गृह उद्योग संचालन की व्यवस्था है। इस केंद्र द्वारा विभिन्न व्यावसायिक संगठनों व शासकीय योजनाओं के माध्यम से दिव्यागों के लिए रोजगार की व्यवस्था भी कराई जाती है।

युवा लेखिका कु. काव्या राजीव के जन्मदिन के अवसर पर उनके अभिभावकों द्वारा इस केंद्र में 1 माह का राशन प्रदान किया गया। इस अवसर पर आयोजित एक संक्षिप्त किंतु प्रेरणास्पद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीएसटी कमिश्नर एवं युवा संस्था के प्रमुख एम राजीव थे। उन्होंने अपने प्रेरणास्पद वक्तव्य में दिव्यांगजनो को जीवन संघर्ष में आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम को वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते, संयोजक शुभम साहू, उपाध्यक्ष दुष्यंत साहू, संरक्षिका ज्योति शुक्ला के साथ परम कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव एवं सिंधु झा ने भी संबोधित किय। उन्होंने कहा कि वक्ता मंच के सदस्य जन्मदिन, वर्षगांठ, प्रमुख त्यौहारों एवं अपने दिवंगत प्रियजनों की पुण्य तिथि के अवसर को समाज सापेक्ष कार्यक्रम के माध्यम से उत्सवित करते आ रहे है। उन्होंने दिव्यांगजनों के सफल जीवन की कामना की द्य कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां भी प्रदान की गई। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने जानकारी दी है कि कार्यक्रम के अंत में 1 माह का राशन आश्रम संचालक राकेश ठाकुर को सौंपा गया। दिव्यांग आश्रम के संपूर्ण विकास के संकल्प के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

विश्व फैशन दिवसः आत्मविश्वास व प्रस्तुतिकरण की भूमिका पर दिया जोर

रायपुर। विश्व फैशन दिवस के अवसर पर मैट्स यूनिवर्सिटी के मैट्स स्कूल ऑफ फैशन डिजाइनिंग एंड टेक्नोलॉजी (MSFDT) द्वारा छात्रों के व्यक्तित्व विकास और प्रोफेशनल ग्रूमिंग के लिए पर्सनैलिटी एवं सेल्फ ग्रुमिंग विषय पर प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विभागाध्यक्ष परविंदर कौर ने स्वागत भाषण देते हुए फैशन इंडस्ट्री में आत्मविश्वास और प्रस्तुतिकरण की भूमिका पर जोर दिया।

कार्यक्रम में चांसलर गजराज पगारिया, वाइस चांसलर प्रो. डॉ. केपी यादव, प्रो वाइस चांसलर डॉ. दीपिका ढंड, डायरेक्टर जनरल प्रीयेश पगारिया तथा रजिस्ट्रार गोकुलानंद पांडा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यशाला की मुख्य वक्ता डॉ. अनामिका सिंह (मिसेज इंडिया मेडिको दिवा, स्त्री रोग विशेषज्ञ, भाजपा पार्षद वार्ड 49, एवं क्षत्रिय महासभा वीरांगना की मेडिकल सेल की प्रदेश अध्यक्ष) रहीं। उन्होंने Be the Brand You Wear थीम पर छात्रों को पहली छाप, बॉडी लैंग्वेज, आत्मविश्वास निर्माण, पब्लिक स्पीकिंग, नेटवर्किंग एवं पर्सनल ब्रांडिंग की महत्ता समझाई। साथ ही समय प्रबंधन, फिटनेस, पोश्चर और अनुशासन जैसे पहलुओं को भी फैशन एवं ग्लैमर जगत का अनिवार्य भाग बताया। इंटरएक्टिव सत्र के दौरान छात्रों ने पेशेवर स्टाइलिंग, ग्रूमिंग और कम्युनिकेशन स्किल्स के गुर सीखे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह आयोजन छात्रों को क्लासरूम से कैटवॉक तक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता हुआ, सफलता के नए आयाम छूने का संदेश देकर संपन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ के सैकड़ों दिव्यांगों के जीवन में नई उम्मीद की किरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मनुष्य का जीवन तभी सार्थक होता है जब उसका अस्तित्व दूसरों के जीवन में प्रकाश और आशा भर दे। इसी दिव्य ध्येय को साकार करते हुए नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर ने रायपुर के विशाल नगर स्थित शगुन फार्म में नारायण लिंब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर आयोजित किया। यह केवल एक चिकित्सा शिविर नहीं, बल्कि असंख्य टूटे सपनों और ठहरी हुई जिंदगी को फिर से गति देने का महापर्व था। इस शिविर में 382 से अधिक दिव्यांगजन कृत्रिम अंग पाकर एक बार फिर अपने पैरों पर खड़े हुए। जिन पैरों ने वर्षों पहले चलना छोड़ दिया था, वे आज फिर से जीवन की राह पर चल पड़े। जिनके चेहरे पर निराशा की लकीरें थीं, वहाँ अब आत्मविश्वास और प्रसन्नता की उजली मुस्कान खिली।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा– नारायण सेवा संस्थान सचमुच अपने नाम को सार्थक कर रहा है। नर सेवा ही नारायण सेवा है। किसी परिवार में एक सदस्य असहाय हो जाए तो पूरा परिवार पीड़ा झेलता है, और जब वही सदस्य फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो जाता है, तो पूरा परिवार जीवित हो उठता है। आज इन 400 जीवनों को जीने का नया उत्साह मिला है, यह दृश्य अद्भुत और हृदयस्पर्शी है।

विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबडा ने कहा कि धरती पर देवता उतर आए हैं जो किसी को नया हाथ, नया पैर दे रहे हैं। यह कितनी अद्भुत और महान सेवा है कि जो हाथ कभी लिख नहीं सकते थे, वे आज लिख सकेंगे; जो पैर चलना भूल चुके थे, वे अब फिर से डग भरेंगे। शिविर की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। मंचासीन समाजसेवी ओपी निगम, संजय पारख, मीरा राव, डॉ अशोक भट्टड, सीताराम अग्रवाल,पंकज शर्मा व अनंत श्रीवास्तव सहित समस्त अतिथियों का स्वागत मेवाड़ी परंपरा से हुआ।

संस्थान के संरक्षक महेश अग्रवाल ने कहा कि रायपुर में अप्रैल में हुए चयन शिविर में 500 से अधिक दिव्यांगजन आए थे, जिनमें से 382 आज कृत्रिम अंग पाकर नया जीवन पा रहे हैं। यह केवल अंग नहीं, बल्कि उनकी रुकी हुई जिंदगी को आगे बढ़ाने की चाबी है। उन्होंने कहा 45 सदस्यीय टीम ने जर्मन टेक्नोलॉजी से बने नारायण लिंब का फिटमेंट किया। डॉक्टरों ने न केवल अंग लगाए, बल्कि उनके उपयोग और देखरेख की प्रशिक्षण भी दी। समारोह के दौरान लाभांवित दिव्यांगों की परेड ने सभी की आंखें नम कर दीं और हृदय गर्व से भर गया। शिविर समारोह के अंत में आभार हरि प्रसाद लड्ढा ने व्यक्त किया वहीं संचालन महिम जैन ने किया।

नारायण सेवा संस्थान का सफर 1985 से आरम्भ हुआ। संस्थापक कैलाश मानव को पद्मश्री और हाल ही में सामुदायिक सेवा एवं सामाजिक उत्थान सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है। संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल अपने मेडिकल, शिक्षा, कौशल विकास और खेल अकादमी के माध्यम से लाखों दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ चुके हैं। 2023 में उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। अब तक संस्थान 40 हजार से अधिक कृत्रिम अंग निःशुल्क लगा चुका है और आज छत्तीसगढ़ में यह संकल्प और प्रबल हुआ कि यहां के दिव्यांगजन भी जीवन की राह पर आत्मगौरव से कदम बढ़ाएंगे।

बालिका की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण नैतिक और संवैधानिक कर्तव्यः मुख्य न्यायाधीश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने कहा है कि बालिका की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना केवल विधिक जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि नैतिक और संवैधानिक दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि बालिका के लिए सुरक्षित वातावरण केवल उसे अपराध से बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक पहल से आरंभ होता है– गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समान अवसर की उपलब्धता अपरिहार्य है। सभी संस्थानों का उद्देश्य केवल अन्याय को रोकना नहीं, बल्कि सशक्तिकरण करना है।

मुख्य न्यायधीश रमेश सिन्हा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की विशेष सेल फॉर पॉक्सो समिति एवं किशोर न्याय समिति द्वारा, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के सहयोग से बालिका संरक्षण भारत में उसके लिए एक सुरक्षित एवं सक्षम वातावरण की ओर विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने ने 'यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न हितधारकों की भूमिका शीर्षक से एक लीफलेट का विमोचन भी किया।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने कहा कि बालिका संरक्षण के लिए बहु–क्षेत्रीय दृष्टिकोण आवश्यक है – स्वास्थ्य विशेषज्ञ उपचार हेतु, पुलिस सुरक्षा हेतु, समुदाय पोषण हेतु, विधिक संस्थान अधिकारों की रक्षा हेतु और सबसे बढ़कर, समाज को अपनी सोच बदलने हेतु कर्तव्यबद्ध है। यदि हम सामूहिक रूप से इस दृष्टिकोण को अपनाएँ, तो हम न केवल सुरक्षित बल्कि वास्तव में सक्षम वातावरण बना सकेंगे, जहां भारत की हर बालिका स्वतंत्रतापूर्वक सपने देख सके, निडर होकर आगे बढ़ सके और अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की प्रत्येक संस्था को बच्चों के अधिकारों का संरक्षक बनकर कार्य करना चाहिए। हमारा यह पावन दायित्व है कि प्रत्येक पीड़िता को न्याय मिले। नन्हीं बालिका भारत की आत्मा है। हमें उसका हाथ थामकर उसे गरिमा के साथ भविष्य की ओर ले जाना है। यह दृष्टि हमें दान या कृपा से नहीं, बल्कि न्याय और कर्तव्य की भावना से प्रेरित करती है।

कार्यक्रम में तकनीकी सत्रों में राज्य, राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी प्रमुख योजनाओं की समीक्षा के साथ–साथ सुरक्षित विद्यालयीन वातावरण सृजित करने, गैर–सरकारी संगठनों का जनजागरूकता बढ़ाने में योगदान, परिवार और समुदाय के सहयोग, लैंगिक संवेदनशीलता तथा सुरक्षित घरेलू वातावरण का महत्व पर चर्चा की गई। साथ ही बाल संरक्षण सेवाओं के कार्यान्वयन में चुनौतियों की पहचान, बालिकाओं पर हिंसा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव और स्वास्थ्य–जागरूकता, यूनिसेफ जैसी संस्थान के सहयोग से बाल–हितैषी वातावरण का निर्माण, किशोर न्याय बोर्ड और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका पर विचार–विर्मश हुआ।

कार्यक्रम को न्यायमूर्ति श्रीमती रजनी दुबे, संजय के. अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी, पार्थ प्रतीम साहू, सचिन सिंह राजपूत, संजय कुमार जायसवाल, रविन्द्र कुमार अग्रवाल, अमितेन्द्र किशोर प्रसाद, विधि विभाग के प्रमुख सचिव, न्यायिक अकादमी के निदेशक, फास्ट ट्रैक, किशोर न्याय बोर्ड के न्यायाधीश, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष, यूनिसेफ के प्रतिनिधि सहित जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन न्यायमूर्ति बिभु दत्त गुरु द्वारा किया गया।

पूर्व महापौर स्वर्गीय बलबीर सिंह जुनेजा को 19वीं पुण्यतिथि पर महापौर ने मूर्ति स्थल पर दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के पूर्व महापौर स्व. बलबीर सिंह जुनेजा को उनकी 19वीं पुण्यतिथि पर राजधानी शहर रायपुर में नगर पालिक निगम रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम परिसर में स्थित मूर्ति स्थल के समक्ष उन्हें सादर नमन करने नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में जोन क्रमांक 4 के सहयोग से रखे गए।

पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने रायपुर के पूर्व महापौर स्व. बलबीर सिंह जुनेजा का उनकी 19वीं पुण्यतिथि पर सादर नमन करते हुए उन्हें समस्त राजधानीवासियों की ओर से आदरांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नगर निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी, नगर निगम जोन 4 उप अभियंता रंजीत बारवा सहित नगर के गणमान्यजन, सामाजिक कार्यकर्त्ता, आमजन की मूर्ति स्थल के समक्ष उपस्थिति रही।

भूतपूर्व सैनिकों और आश्रित परिवारों ने उठाया स्वास्थ्य शिविर का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड परिसर में शनिवार को भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रित परिवारों के लिए एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर हेड क्वार्टर छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा सब एरिया, पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन, शकुंतला फाउंडेशन तथा आशा देवी रेखचंद लूनिया चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से आयोजित हुआ।

शिविर में एमएमआर हॉस्पिटल एवं आईवीएफ सेंटर (मेडिकल एवं स्त्री रोग विभाग), संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल, एएसजी नेत्र चिकित्सालय, शंकर नगर और शासकीय दंत महाविद्यालय रायपुर की विशेषज्ञ चिकित्सा टीमों ने भूतपूर्व सैनिकों व उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और जरूरी परामर्श दिया। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से 61 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिनमें से जरूरतमंद मरीजों को आशा देवी रेखचंद लूनिया चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए।

इस अवसर पर ब्रिगेडियर विवेक शर्मा (इंडियन आर्मी, रिटायर्ड), कैप्टेन अनिल शर्मा (इंडियन नेवी, रिटायर्ड एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, रायपुर) सहित अनेक भूतपूर्व सैनिक और उनके परिजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. कविता कुंभज (पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन), समाजसेवी पीयूष जैन, और श्रीमती स्मिता सिंह (अध्यक्ष, शकुंतला फाउंडेशन) शामिल हुईं। शिविर में सेवाएं देने वाली चिकित्सा टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन, शकुंतला फाउंडेशन और आशा देवी रेखचंद लूनिया चैरिटेबल ट्रस्ट का विशेष योगदान रहा।

खेल विभाग ने जारी किए राज्य खेल अलंकरण के लिए चयनित खिलाड़ियों और विभूतियों की अंतरिम सूची

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने राज्य खेल अलंकरण के लिए पात्र खिलाड़ी और विभूतियों के नामों की अंतरिम सूची जारी कर दी है। शहीद राजीव पांडेय समेत 7 अवॉर्डों के लिए विभाग को दो वर्षों के लिए कुल 403 आवेदन मिले थे, जिसमें वर्ष 2023–24 के 164 और वर्ष 2024–25 के 239 आवेदन शामिल हैं। अंतरिम सूची में सबसे बड़े अवॉर्ड शहीद राजीव पांडेय अवॉर्ड में दो वर्षों के लिए 12 सीनियर स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों का चयन किया गया है। आवेदनों के परीक्षण के बाद चयनित नामों की अंतरिम सूची जारी कर दी गई। अवॉर्ड के लिए चयनित नामों को लेकर खेल विभाग ने 27 अगस्त तक दावा–आपत्ति मंगाई है। दावा–आपत्ति के निराकरण के लिए एक बार फिर राज्य स्तरीय निर्णायक समिति की बैठक होगी और फिर अवॉर्ड के पात्रों के नामों की फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी।

शहीद राजीव पांडेय अवॉर्ड ओलंपिक खेल– मोनिका साहू फेंसिंग, सुभाष लहरे वेटलिफ्टिंग। नॉन ओलंपिक अनूप यदु, राजेश राठौर (नेटबॉल संयुक्त रूप से), भूपेंद्र कुमार गढ़े सॉफ्टबॉल । पैरा स्पोर्ट्स – परमानंद स्वीमिंग

शहीद कौशल यादव अवॉर्ड ओलंपिक – अमित कुमार, एथलेटिक्स, दिपांशी नेताम फेंसिंग, महेंद्र धुर्वे वालीबॉल। नान ओलंपिक–राकेश कडती सॉफ्टबॉल। पैरा स्पोर्ट्स – निरंक। शहीद लक्ष्मण लाल साहू कुश्ती, के. रविशंकर टेबल टेनिस, गिरिराज बागड़ी टेबल टेनिस

विनोद चौबे सम्मान – प्रवेश चड्ढा शूटिंग, विजय बहादुर हैंडबॉल, शहीद पंकज विक्रम सम्मान – सीता साहू, करण भारती, प्रियंका ठाकुर, शशांक मसीह, राजीव साहू, काजल, भूमिका उपाध्याय, खुशाल यादव, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार – तारकेश मिश्रा किक बॉक्सिंग, मुख्यमंत्री ट्रॉफी : सीनियर वर्ग– व्हीलचेयर फैसिंग पुरुष टीम, जूनियर वर्ग– सॉफ्टबॉल बालिका टीम। शहीद राजीव पांडेय पुरस्कार अवॉर्ड ओलंपिक खेल – ज्ञानेश्वरी यादव वेटलिफ्टिंग, ईशान भटनागर बैडमिंटन, दिव्यांशु नेताम फेंसिंग, भूमि गुप्ता तैराकी।

नान ओलपिक– सोनम शर्मा नेटबॉल, कलाराम पटेल पैरा एथलेटिक्स, शहीद कौशल यादव अवॉर्ड ओलंपिक – मानस भट्टाचार्य, बैडमिंटन। नान ओलंपिक पात्र नहीं मिले। पैरा स्पोर्ट्स – सुखदेव पैरा एथलेटिक्स। वीर हनुमान सिंह पुरस्कार : विकास ढीढी प्रशिक्षक। शहीद पंकज विक्रम सम्मानः सुमन यादव, रोहित रजक, गीतांजली निर्मलकर, केएस साई प्रशांत, सुष्मिता सोम, रामकृष्ण साहू, स्वाती साहू, साकेत सामुएल, अमन तिवारी, मानसी डुंभरे।

शहीद विनोद चौबेः प्रभा हुसैन एथलेटिक्स, संगीता राजगोपालन बैडमिंटन, गामा यादव कुश्ती, प्रणय नंद मजुमदार टेबल टेनिस। सीएम ट्रॉफी सीनियर कैटेगरी तीरंदाजी सीनियर महिला टीम, जूनियर में पात्र नहीं मिले।

सड़क हादसों से बचाव के लिए अनूठी पहल, मवेशियों को पहनाई जा रही रेडियम बेल्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क पर मवेशियों की मौजूदगी एक गंभीर समस्या रही है। रात के अंधेरे में सड़क पर बैठे गाय–भैंस से टकराकर होने वाली दुर्घटनाएं आए दिन जानलेवा साबित होती रही हैं। इस समस्या के समाधान के लिए अब परिवहन विभाग ने सराहनीय पहल शुरू की है। विभाग द्वारा मवेशियों के गले में रेडियम–रिफ्लेक्टर पट्टी (रेडियम बेल्ट) पहनाई जा रही है ताकि रात में वाहन चालक उन्हें आसानी से देख सकें और हादसों से बचा जा सके। यह अभियान शनिवार को पोला तिहार के अवसर पर शुरू किया गया। परंपरागत रूप से यह पर्व बैल और मवेशियों को समर्पित है, ऐसे में इस दिन से जागरूकता अभियान शुरू करना विभाग ने विशेष रूप से उपयुक्त माना।

राज्य के कई शहरों की तरह छत्तीसगढ़ में भी सड़कों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा आम बात है। अक्सर यह देखा गया है कि रात में हाईवे या मुख्य मार्गों पर अचानक सामने आए मवेशियों से टकराकर लोग हादसे का शिकार हो जाते हैं। बीते वर्षों में ऐसे हादसों में सैकड़ों लोगों और मवेशियों की मौत हो चुकी है। इन्हीं घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से परिवहन सचिव एस. प्रकाश और अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने यह अभिनव कदम उठाया।

रायपुर संभाग में शुरू हुआ अभियान परिवहन उड़नदस्ता रायपुर के प्रभारी सीके साहू के नेतृत्व में इस पहल की शुरुआत रायपुर, बलौदाबाजार और रायपुर संभाग के अन्य जिलों में की गई। राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख मार्गों पर मौजूद गायों और मवेशियों के गले में स्वयं विभागीय टीम ने रेडियम बेल्ट बांधे। सीके साहू ने बताया कि पोला तिहार के अवसर पर विशेष रूप से यह पहल की गई है। उन्होंने कहा, रात्रि के समय मवेशी अक्सर सड़क पर दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं। लेकिन रिफ्लेक्टर बेल्ट लगाने से उनकी दृश्यता बढ़ेगी, हादसे कम होंगे और मवेशियों व लोगों दोनों की जान सुरक्षित होगी।

परिवहन विभाग का कहना है कि यह केवल एक शुरुआत है। भविष्य में इस तरह के और कदम उठाए जाएंगे ताकि आम लोगों और चालकों में जागरूकता फैलाई जा सके। साथ ही, मवेशियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य योजनाओं पर भी विचार किया जाएगा। इस पहल से न सिर्फ मवेशियों की रक्षा होगी बल्कि वाहन चालकों की सुरक्षा भी बढ़ेगी। विभाग को उम्मीद है कि धीरे–धीरे इस तरह की पहल पूरे प्रदेश में लागू होगी और सड़क हादसों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

रायपुर नगर निगम ने अहम फैसला लिया

रायपुर। नगर निगम अब शहर के किसी भी प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा से पहले ही उसके संबंध में हाईकोर्ट में कैविएट दायर करेगा। इससे कोई भी व्यक्ति या संस्था प्रोजेक्ट को लेकर हाईकोर्ट से एकतरफा स्टे नहीं ला सकेगा। कैविएट दाखिल होने के बाद कोर्ट बिना नगर निगम का पक्ष सुने कोई भी निर्णय नहीं देगा। नगर निगम ने गंज मंडी, भैंसथान, नवीन मार्केट आदि प्रोजेक्ट को लेकर पहले ही कैविएट दायर कर रखा है। विभिन्न योजनाओं पर प्रभावित लोगों और संस्थाओं के हाईकोर्ट से स्टे लाने के कारण काम शुरू नहीं हो पाता या उसमें अनावश्यक देरी होती है। ऐसे उदाहरणों को देखते हुए नगर निगम ने अब पहले ही कैविएट दायर करने के निर्णय लिया है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प–2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

परफेक्ट होना जरूरी नहीं, गलतियां भी ठीक हैं: अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे का मानना है कि लगातार लोगों की नजरों में रहना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है, लेकिन अपने चाहने वालों और लगातार काम पर ध्यान केंद्रित करने से वे संतुलन बनाए रखती हैं। अनन्या ने यह भी कहा कि उनका आत्मविश्वास खुद को स्वीकार करने से आता है और यह जानने से कि परफेक्ट होना जरूरी नहीं है—कभी-कभी गलतियां भी ठीक होती हैं।

अनन्या से पूछा कि वह लगातार लोगों की नजरों के बीच अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को कैसे बनाए रखती हैं, तो उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया, यह हमेशा आसान नहीं होता। कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जब बातें आपको बहुत परेशान करने लगती हैं।

समय के साथ उन्होंने यह सीख लिया है कि जिंदगी में सच्चे रिश्तों और पसंद के काम को अहमियत देना जरूरी है।

अनन्या ने बताया, मैं जमीन से जुड़ी रहने की कोशिश करती हूं और खुद को याद दिलाती हूं कि परफेक्ट न होना भी ठीक है। आत्मविश्वास तब आता है जब आप अपने अच्छे और बुरे दोनों में खुद को स्वीकार करते हैं। जैसा कि कहा जाता है, कोई भी परफेक्ट नहीं होता! अनन्या ने हाल ही में एयरबीएनबी के लिए एक खास अनुभव की मेजबानी की, जिसमें उनकी ए-टीम ने हिस्सा लिया।

इस अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए सबसे खास अनुभवों में से एक है, लेकिन मेरे लिए इसमें सबसे खास बात यह है कि यहां पर मेहमानों के अंदर आत्मविश्वास में बदलाव देखना। यह उनके लुक को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि उनके असल रूप को सेलिब्रेट करने के बारे में है। ग्लैम सेशन के बाद, सभी के साथ समय बिताना, हंसी-मजाक, और मजेदार सेल्फी लेना इसे और भी यादगार बनाता है।

अनन्या की आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में कार्तिक आर्यन, जैकी श्रॉफ, नीना गुप्ता और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कार्तिक और अनन्या इससे पहले 2019 में पति, पत्नी और वो में साथ नजर आ चुके हैं। करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंत्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म अगले साल 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन 5 फिल्मों से करेंगी राज, एक पर एकता कपूर लगाएंगी बड़ा दांव

तमन्ना भाटिया न सिर्फ साउथ, बल्कि बॉलीवुड में भी लोकप्रिय हैं। भले ही हिंदी फिल्मों में उनकी दाल न गली हो, लेकिन अपनी खूबसूरती और डांस से वह हिंदी भाषी दर्शकों को भी अपना दीवाना बनाने में सफल रही हैं। स्त्री 2 के गाने आज की रात से तमन्ना ने इंटरनेट पर खूब तहलका मचाया। तमन्ना की कई फिल्में दर्शकों के बीच आएंगी। पिछली बार ओडेला 2 में शिवभक्त बनीं तमन्ना की कौन-सी फिल्में आने वाली हैं, आइए जानते हैं।

एकता कपूर की हॉरर फ्रेंचाइची रागिनी एमएमएस बहुत लोकप्रिय है। अब इस फ्रेंचाइजी में तमन्ना की एंट्री हो गई है। रागिनी एमएमएस 3 में वह लीड रोल निभाएंगी। ऐसी खबरें हैं कि एकता तीसरी किस्त को फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बनाना चाहती हैं और इस पर मोटा पैसा भी लगाएंगी। एकता ने जब तमन्ना को इसकी कहानी सुनाई तो वो इस तरह की हॉरर थीम सुनकर हैरान रह गईं। ये फिल्म हॉरर-कॉमेडी फॉर्मेट पर आधारित होगी।

तमन्ना की आने वाली फिल्मों में रोमियो भी शामिल है। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार अभिनेता शाहिद कपूर के साथ बनने वाली है। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म होगी, जो इस साल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म पर साजिद नाडियाडवाला पैसा लगा रहे हैं। रिलीज से पहले इसका प्रचार भी जोर-शोर से होगा।

तमन्ना को रेंजर में भी अहम भूमिका में देखा जाएगा। इस फिल्म के हीरो अजय देवगन हैं, जो तमन्ना के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। पहली बार उन्होंने साजिद खान की फिल्म हिम्मतवाला में काम किया था, जो सुपरफ्लॉप रही थी। रेंजर का निर्देशन जगन शक्ति कर रहे हैं, जिन्होंने अक्षय कुमार की सफल फिल्म मिशन मंगल का निर्देशन किया था। संजय दत्त इस फिल्म में विलेन बने हैं, जो पहली बार पर्दे पर अजय से भिड़ते दिखेंगे।

तमन्ना जल्द ही निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म में दिखाई देंगी, जिसमें उनकी जोड़ीदार जॉन अब्राहम होंगे, जिनके साथ उन्हें पहले फिल्म वेदा में देखा गया था। यह फिल्म पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश मारिया की बायोपिक है, जिसमें तमन्ना उनकी पत्नी प्रीति मारिया का किरदार निभाएंगी। उधर एकता कपूर की फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में तमन्ना अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म 15 मई, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रीमा कागती दहाड़ 2 में एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के साथ फिर से नजर आएंगी

साल की शुरुआत में, रीमा कागती ने सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव के निर्देशन के लिए सुर्खियाँ बटोरीं, जिसने सभी समीक्षकों की सराहना बटोरी। सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव की रिलीज के तुरंत बाद, फिल्म निर्माता ने दहाड़ के अगले अध्याय की लेखनी शुरू कर दी। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि 2023 में, सोनाक्षी सिन्हा रीमा कागती द्वारा निर्देशित दहाड़ के साथ वेब-सीरीज की दुनिया में कदम रखेंगी। खलनायक के रूप में विजय वर्मा के साथ, दहाड़ साल की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली वेब-सीरीज में से एक बन गई, और दूसरे सीजन के वादे के साथ समाप्त हुई। और अब, पिंकविला को एक्सक्लूसिव जानकारी मिली है कि रीमा कागती और सोनाक्षी सिन्हा दहाड़ 2 के लिए फिर से साथ आ रही हैं।

इस मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, रीमा कागती ने दहाड़ 2 की पटकथा तय कर ली है और दिसंबर 2025 में इसकी शूटिंग शुरू करने की उम्मीद कर रही हैं। पटकथा तय हो चुकी है और वेब-सीरीज अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। सोनाक्षी सिन्हा एसआई अंजलि भाटी की भूमिका निभाने के लिए वापस आएंगी, वहीं अन्य किरदारों की कास्टिंग चल रही है। दहाड़ की तरह, दूसरे सीजन में भी एक दमदार कलाकार खलनायक के रूप में नजर आएगा और उसके लिए कास्टिंग चल रही है।

अभिनेत्री निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी की टिप्पणियों पर दी सफाई

अभिनेत्री निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी की उस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उषा ने निक्की को घमंडी बोला था। निक्की ने स्पष्ट किया कि वह उषा का बहुत सम्मान करती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह उनकी हर बात से सहमत हों या उनकी चापलूसी करें।

दरअसल, निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी के इंटरव्यू का एक वीडियो क्लिप अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में निक्की ने लिखा, मैं उषा जी का बहुत सम्मान करती हूं। लेकिन सिर्फ इसलिए कि आप सीनियर हैं और मैं जूनियर, इसका मतलब यह नहीं कि मैं आपकी हर बात मानूं या चापलूसी करूं। आप मुझे घमंडी कहकर आंक नहीं सकतीं। मुझे अपनी असलियत पता है और मेरे प्रशंसक भी इसे जानते हैं। आपके लिए मेरे सम्मान के अलावा, किसी और को मुझे जज करने का हक नहीं है।

बता दें कि उषा नदकर्णी इंटरव्यू में यह कहती नजर आ रही थी कि निक्की ने उनसे कभी बातचीत शुरू नहीं की और वह मुझे हमेशा घमंडी नजर आईं। दोनों ने इस साल सेलिब्रिटी मास्टर शेफ के सेट पर साथ काम किया था।

निक्की, जो रियलिटी शो बिग बॉस में फर्स्ट रनर-अप बनकर मशहूर हुई थीं, उन्होंने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए एक वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने कहा, ऐसे मुश्किल शो में फर्स्ट रनर-अप बनना आसान नहीं था। मैंने अपनी असली शख्सियत के दम पर यह हासिल किया। मेरी फितरत में लोगों की चापलूसी करना नहीं है। मेरे प्रशंसक मुझे मेरे असली रूप के लिए प्यार करते हैं, और उनके साथ मेरा भावनात्मक रिश्ता मेरी असली ताकत है।

वहीं, निक्की इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल के साथ अपनी लव लाइफ और घूमने-फिरने में व्यस्त हैं। दूसरी ओर, उषा नदकर्णी हाल ही में तब चर्चा में आईं, जब उन्होंने अंकिता लोखंडे के व्लॉग में बताया कि 80 साल की उम्र में उन्हें अकेले रहने का डर सताता है। पिछले साल जून में उनके छोटे भाई का निधन हो गया था, जिसके बाद से वह अकेलेपन के डर से जूझ रही हैं। उषा ने पवित्र रिश्ता में सविता के किरदार से दर्शकों का दिल जीता था और कई बॉलीवुड व मराठी प्रोजेक्ट्स में भी काम किया है।

बिग बॉस 19 में दिखेगी भोजपुरी की धक-धक गर्ल, अदाओं के सलमान खान भी हुए दीवाने

भोजपुरी की धक-धक गर्ल सुपरस्टार हीरोइन नीलम गिरी का नाम भी बिग बॉस की फाइनल लिस्ट में दिखाई दे रही है। चर्चा है वो भी इस सीजन टेलीविजन स्क्रीन पर बिग बॉस के घर में दिखाई देने वाली है। बिग बॉस सीजन 19 में इस साल भोजपुरिया तड़का भी लगने वाला है। पवन सिंह और खेसारी के साथ गानों साहित कई फिल्मों में दिख चुकी सुपरस्टार नीलम गिरी अब बिग बॉस 19 में दिखने वाली है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक उनकी एंट्री घर में हो गई है।

सिर्फ गानों और फिल्मों में ही नहीं बल्कि नीलम अपनी खूबसूरत तस्वीरों और वीडियोज के लिए सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव और वायरल रहती हैं। नीलम के इंस्टाग्राम पर करीब 49 लाख फॉलोवर्स हैं। नीलम सोशल मीडिया पर ट्रेडिशनल और वेस्टर्न ऑउटफिट्स में तस्वीरें डालती हैं। अश्लीलता से काफी दूर रहने वाली नीलम गिरी की पहचान एक साफ सुथरी हीरोइन के रूप में होती है। उनके कई रोमांटिक गाने भोजपुरी की पहचान बन चुकी है। सोशल मीडिया पर भी ज्यादातर ट्रेडिशनल लुक में नजर आती हैं। खूबसूरती विथ संस्कार की झलक इनके अंदर देखने को मिलती है।

नीलम का जन्म 3 सितम्बर 1995 को पश्चिम बंगाल में हुआ था। बेहद साधारण परिवार से उनके पिता की हार्डवेयर की दुकान है। मूल रूप से यूपी की रहने वाली हैं। टिक टॉक पर भी बहुत फेमस थी। नीलम को पहला ब्रेक पवन सिंह ने अपने ही एक गाने 'धनिया हमार नया बाड़ी हो' से दिया था। रिलीज के साथ इस गाने ने खूब धमाल मचाया था और नीलम गिरी को रातों-रात सुपरस्टार बना डाला था। इसके बाद एक्ट्रेस की बाबुल फिल्म 2021 में रिलीज हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि नीलम गिरी का नाम भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ के छोटे भाई प्रवेश लाल यादव से जुड़ा है। हालांकि, इसकी पुष्टि दोनों से अभी तक नहीं की है। लेकिन, दोनों को कई बार साथ देखा गया है साथ ही इनकी ऑन स्क्रीन जोड़ी को भी लोग खूब पसंद करते हैं। दोनों ने साथ में ऐसे कई गाने किए जो आज भी लोगों के जुबान पर हैं।

सोशल मीडिया पर ट्रोल्स ने की तीखी टिप्पणी अभिनेत्री मौनी राय ने दिया करारा जवाब

अभिनेत्री मौनी रॉय अपने सोशल मीडिया पर बेहद सक्रिय हैं। हर कुछ दिनों में, वह काम से जुड़ी कोई नई जानकारी या अपनी सैर की तस्वीरें शेयर करती हैं, और कभी-कभी कमेंट्स में कुछ प्रशंसकों से बातचीत भी करती हैं। लेकिन शुक्रवार को, उन्होंने अपने एक पोस्ट के कमेंट सेक्शन में अपनी शक्ल-सूरत पर एक भद्दी टिप्पणी का जवाब दिया।

मौनी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरों का एक संग्रह पोस्ट किया था, जिसे उनके प्रशंसकों ने हजारों लाइक्स और प्रशंसात्मक टिप्पणियों के साथ खूब पसंद किया। हालाँकि, कुछ ट्रोल्स ने भी तीखी टिप्पणियाँ और टिप्पणियाँ कीं। एक व्यक्ति ने लिखा, सच कड़वा होता है! आपको इसे अपने गले से नीचे उतारना ही होगा, चाहे आप कोई भी हों! आपकी सर्जरी ने आपको बहुत बुरी स्थिति में डाल दिया है। चूँकि आप एक सार्वजनिक हस्ती हैं, इसलिए आपको जो भी आता है उसे स्वीकार करना ही होगा! अच्छा और ज़्यादातर बुरा! आपको एक बेहतर सर्जन चुनना चाहिए था!

यह टिप्पणी उन खबरों के संदर्भ में थी कि मौनी ने अपने चेहरे की कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई है, जिसका अभिनेत्री ने अपने साक्षात्कारों में लगातार खंडन किया है। हालाँकि, अफवाहें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं।

स्ट्रेटनिंग के बाद भी उलझे रहते हैं बाल? सीधे बनाए रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

जिन महिलाओं के बाल घुंघराले होते हैं, वे उन्हें सीधे करने का प्रयास करती हैं। इसके लिए वे स्ट्रेटनर का इस्तेमाल करती हैं, जो गर्मी पैदा करके बालों को सीधा करने वाला उपकरण होता है। कई बार बालों को सीधा करने के बाद भी वे उलझे हुए, रूखे और वेवी नजर आते हैं। इससे पूरा लुक ही बिगड़ जाता है। ऐसे में अगर आप स्ट्रेटनिंग करने के बाद बालों को सीधा बनाए रखना चाहती हैं तो ये टिप्स काम आएंगी।

स्ट्रेटनिंग के बाद हेयर स्प्रे और सीरम छिड़कें

बालों को सीधा करने के लिए केवल स्ट्रेटनर इस्तेमाल करना ही काफी नहीं है। अगर आप स्ट्रेटनिंग करने से पहले बालों की देखभाल पर ध्यान नहीं देंगी तो वे कुछ ही देर बाद रूखे हो जाएंगे। बाल सीधे करने से पहले हेयर प्रोटेक्टिंग सीरम इस्तेमाल करें, ताकि आपके बाल जलें न। स्ट्रेटनिंग के तुरंत बाद बालों पर एक अच्छी गुणवत्ता वाला हेयर स्प्रे या सीरम लगा लें। इन उत्पादों की मदद से वे उलझेंगे नहीं और चमक भी बनी रहेगी।

बालों में पसीना न आने दें

नमी और गर्मी के चलते बालों में पसीना आना शुरू हो जाता है। इससे बाल गीले हो जाते हैं और सीधे नहीं रहते। इससे बचने के लिए तभी बाल सीधे करें जब आपको किसी खास जगह जाना हो। बालों को सीधा करने के बाद कोई भी ऐसी गतिविधि करने से बचें, जिसके कारण पसीना निकल सकता है। इसके अलावा, ऐसे स्थान पर बैठें, जहां ज्यादा गर्मी और आद्रता न हो।

अच्छी गुणवत्ता वाले स्ट्रेटनर का इस्तेमाल करें

बालों को सीधा करने के लिए आपको सस्ते स्ट्रेटनर इस्तेमाल नहीं करने चाहिए। इससे बाल अच्छी तरह सीधे नहीं हो पाते और कुछ ही घंटों में पहले जैसे दिखने लगते हैं। इतना ही नहीं, सस्ते स्ट्रेटनर बालों को जला भी सकते हैं, जिससे वे रूखे और बेजान बन जाते हैं। आपको अच्छी गुणवत्ता वाले स्ट्रेटनर में निवेश करना चाहिए। ऐसा स्ट्रेटनर खरीदें, जिसमें सुरक्षात्मक उत्पादों की परत भी लगी हो।

ज्यादा हवा न लगने दें

बालों को सीधा करने के बाद स्कूटी या बाइक पर सवारी करने की गलती बिलकुल न करें। इससे बालों में हवा लग सकती है, जिससे वे बुरी तरह उलझ सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप वे सीधे नहीं रह जाते और दोबारा घुंघराले हो जाते हैं। बाल सीधे करने के बाद उनमें हवा न लगने दें और साटन स्कार्फ का इस्तेमाल करके उन्हें ढीला बांध लें। रबर बैंड आदि से बांधने पर भी बाल सीधे नहीं रह जाएंगे।

बालों को साटन के कपड़े में लपेटकर सोएं

अगर आपने किसी अवसर से एक रात पहले अपने बाल सीधे किए हैं तो उन्हें खुला रखकर न सोएं। इससे वे बुरी तरह उलझ जाएंगे और सुबह तक सीधे नहीं रहेंगे। आपको बाल सीधे करने के बाद साटन कपड़े से बनी तकिया पर सोना चाहिए, क्योंकि वह बालों को उलझने से बचाता है। इसके अलावा, अपने बालों को साटन के स्कार्फ में लपेटकर सोएं, जिससे वे अगले दिन तक बिलकुल सीधे ही रहेंगे।

नारायण लिंब फिटमेंट कैम्प में 382 दिव्यांगों ने पाया जीवन में नया सहारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी में रविवार को आयोजित नारायण लिंब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर ने सैकड़ों दिव्यांगजन के जीवन में नई आशा की किरण जगाई। 382 दिव्यांगजन कृत्रिम अंग पाकर अपने पैरों पर खड़े हुए और जीवन की राह पर फिर से आगे बढ़े। शिविर का आयोजन नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर की ओर से विशाल नगर स्थित शगुन फ र्म में किया गया।

इस अवसर पर राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि यह दृश्य ऐतिहासिक और हृदयस्पर्शी है। नर सेवा ही नारायण सेवा है। जब परिवार का कोई सदस्य असहाय हो जाता है, तो पूरा परिवार पीड़ा सहता है। लेकिन आज जिन दिव्यांगों को नया सहारा मिला है, उनके पूरे परिवारों को जीवन जीने का नया उत्साह प्राप्त हुआ है।

शिविर में आए दिव्यांगजन कृत्रिम अंग पाकर भावुक हो उठे। वर्षों से जिन पैरों ने चलना छोड़ दिया था, वे आज फिर से दौड़ने की उम्मीद के साथ खड़े हुए। लाभांवित दिव्यांगों की परेड ने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम कर दीं।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने कहा कि यह सेवा सचमुच देवत्व का कार्य है धरती पर देवता उतर आए हैं, जो किसी को नया हाथ, नया पैर देकर जीवन लौटा रहे हैं। इस अवसर पर समाजसेवी ओपी निगम, संजय पारख, मीरा राव, डॉ. अशोक भट्टड, सीताराम अग्रवाल, पंकज शर्मा और अनंत श्रीवास्तव सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

संस्थान की ऐतिहासिक यात्रा

संस्थान के संरक्षक महेश अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल में हुए चयन शिविर में 500 से अधिक दिव्यांगजन आए थे, जिनमें से 382 को अब कृत्रिम अंग लगाए गए। उन्होंने कहा कि यह केवल अंग नहीं बल्कि जीवन को आगे बढ़ाने की चाबी है। 45 सदस्यीय टीम ने जर्मन तकनीक से निर्मित नारायण लिंब लगाए और दिव्यांगजनों को उनके उपयोग एवं देखरेख का प्रशिक्षण भी दिया।

नारायण सेवा संस्थान की स्थापना 1985 में कैलाश मानव ने की थी, जिन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। संस्थान अब तक 40 हजार से अधिक कृत्रिम अंग निःशुल्क लगा चुका है और लाखों दिव्यांगजनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और खेल के क्षेत्र में मुख्यधारा से जोड़ चुका है। संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल को भी सामाजिक सेवा के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार मिल चुका है।

यह शिविर केवल एक चिकित्सा सेवा नहीं, बल्कि एक ऐसा मानवता का उत्सव बना जिसमें सैकड़ों जीवनों को नई दिशा, नया आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की शक्ति मिली।

भारत की लोकतांत्रिक परंपराएं पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा रही हैं: डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक परंपराएं पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा रही हैं। भारत ने प्राचीन काल से ही लोकतंत्र की भावना को आत्मसात किया है। उन्होंने कहा कि विधानसभाएं लोकतंत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं। यही माध्यम है जिससे जनता की आकांक्षाएं शासन की नीतियों में बदलती हैं। डॉ. सिंह आज नई दिल्ली में ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस में 'भारत लोकतंत्र की जननी' विषय पर सम्बोधित कर रहे थे।

ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में पंचायते जीवित इकाई के रूप में कार्य करती हैं। पंचायतों में सामूहिक निर्णय के माध्यम से विवादों का समाधान चर्चा से होता था। पंचायतीराज की यह परंपरा आज भी लोकतंत्र की रीढ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1946 में गठित संविधान सभा लोकतंत्र का अनुपम उदाहरण है।

गौरतलब है कि यह सम्मेलन वीर विठ्ठल भाई पटेल प्रथम निर्वाचित भारतीय स्पीकर के जन्म शताब्दी समारोह के अंतर्गत यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ आज केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने दिल्ली में किया। इस सम्मेलन में भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक मजबूत करने पर चर्चा होगी। इस सम्मेलन में भारत के कई राज्यों की विधानसभा के अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारी शामिल हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से उपभोक्ताओं को मिल रही राहत

कोनी निवासी रमेश साहू का बिजली बिल हुआ शून्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना अब उपभोक्ताओं की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला रही है। प्रदेश के बिजली उपभोक्ता इस योजना का लाभ लेने आगे आ रहे हैं। ऐसे ही बिलासपुर जिले के ग्राम कोनी के निवासी रमेश साहू ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। इसके बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया है।इस अभिनव योजना के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

कोनी में रहने वाले रमेश साहू बताते हैं कि उनके घर पर बिजली की खपत काफी अधिक थी प्रतिमाह आने वाले बिजली के बिल से उन्हें बड़ा आर्थिक भार झेलना पड़ता था। सूर्यघर योजना के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया जिसकी लागत करीब दो लाख रुपए थी। इस प्लांट पर उन्हें केन्द्र सरकार से 78 हजार रुपये की सब्सिडी मिल चुकी है, जबकि राज्य सरकार से मिलने वाली 30 हजार रुपये की सब्सिडी भी शीघ्र मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें बिजली बिल की चिंता से मुक्ति मिल गई है।अब उन्हें किसी तरह का बिल नहीं भरना पड़ रहा। एक बार निवेश करने पर 25 वर्षों तक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होती है और इस पर कोई विशेष मेंटेनेंस खर्च भी नहीं है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में सप्लाई कर आय अर्जित करने का अवसर भी मिलता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में यह योजना बड़ा कदम है। श्री साहू ने आम नागरिकों से अपील की कि वे भी इस योजना का लाभ उठाएं और सौर ऊर्जा को अपनाकर बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनें।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत सोलर पैनल लगवाने पर केन्द्र सरकार से 78 हजार रुपये तक सब्सिडी और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये तक सब्सिडी दी जा रही है। साथ ही सरकार 300 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली प्रदान कर रही है। योजना में घर की छत पर सोलर पैनल लगाने की सुविधा मिलती है जिससे बनने वाली खपत से अतिरिक्त बिजली ग्रिड में देकर बिजली उत्पादक भी बना जा सकता है। योजना के तहत ऋण का भी प्रावधान है जिसमें एक बार निवेश पर 25 वर्षों तक मुफ्त और सतत बिजली पाई जा सकती है।

राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना से सुखसागर आर्थिक रूप से हुआ मजबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप पशुधन विकास विभाग द्वारा जिले के गौव पालकों को विभागीय योजनाओं को लाभ दिया जा रहा है। इसी कड़ी में बगीचा विकासखण्ड के श्री सुखसागर यादव को राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम अन्तर्गत नस्ल सुधार योजना का लाभ दिया गया है।

बगीचा विकासखण्ड के पशुधन विकास विभाग द्वारा हितग्राही सुखसागर यादव को राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना का लाभ दिया गया एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम अन्तर्गत नस्ल सुधार किया गया। राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना से 70 हजार के अनुदान का लाभ दिया गया एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम अन्तर्गत नस्ल सुधार किया गया। हितग्राही सामान्य किसान है, इनका रोजगार का कार्य खेती था। योजना का लाभ लेने के पूर्व हितग्राही के पास 01 देसी गाय थी। इनकी गाय उस समय लगभग प्रतिदिन 1 लीटर दूध देती थी। जिसका उपयोग घर में ही कर लिया जाता था। पशुपालन से कोई अतिरिक्त आय नही होती थी। पशुधन विकास विभाग से राज्य डेयरी उद्यमिता विकास अंतर्गत हितग्राही द्वारा शासकीय योजना का लाभ लेकर 01 उन्नत नस्ल की जर्सी गाय और एक साहिवाल क्रॉस गाय खरीदा गया ।

वर्तमान में कुल 16-18 लीटर दूध उत्पादन हो रहा है। जिसके विक्रय से हितग्राही को राशि रूपये 25000-30000 रूपये मासिक आमदनी प्राप्त हो रही है। साथ ही राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम नस्ल सुधार योजना द्वारा कृत्रिम गर्भाधान का लाभ लिया जाता है। जिससे वर्तमान में उन्नत नस्ल की बछिया एवं बाछा उत्पन्न हुई है। पशुधन विकास विभाग द्वारा संचालित राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना का लाभ लेने के पश्चात् हितग्राही के आर्थिक स्थिति में सुधार हुई है। विभाग द्वारा समस्त गाय का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है।

अभियोजन अधिकारियों को नवीन कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर स्थित महानदी मंत्रालय भवन के सभागार में आज अभियोजन अधिकारियों को नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर निदेशालय लोक अभियोजन छत्तीसगढ़ के महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रायपुर विनय कुमार प्रधान एवं शैलेश शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के क्रियान्वयन संबंधी विषयों पर मार्गदर्शन दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रधान एवं अतिरिक्त सचिव विधि एवं विधायी चन्द्र कुमार कश्यप ने वीसी के माध्यम से साक्ष्य परीक्षण, प्रक्रिया संबंधी जटिलताओं तथा नवीन कानून के क्रियान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी।

अतिरिक्त सचिव विधि एवं विधायी कार्य विभाग कश्यप तथा अतिरिक्त संचालक लोक अभियोजन श्री के.एस. गावस्कर ने अपील एवं पुनरीक्षण प्रस्तावित करने के आधार और प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला। हिदायतुल्ला लॉ यूनिवर्सिटी के सहायक प्राध्यापक प्रवेश राजपूत ने नवीन आपराधिक कानून में सम्मिलित नये प्रावधानों एवं उनके क्रियान्वयन संबंधी पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया। राज्य स्तरीय इस प्रशिक्षण में अभियोजन विभाग के संयुक्त संचालक, उपनिदेशक, सहायक निदेशक एवं सहायक जिला अभियोजन अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन निदेशालय लोक अभियोजन नया रायपुर द्वारा किया गया। इसमें अतिरिक्त संचालक के.एस. गावस्कर, उपनिदेशक मीना जगदल्ला एवं पदमा साहू, सहायक निदेशक सोहन साहू, राकेश कुमार सिंह, दिलीप कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मोर आवास, मोर अभिमान अभियान से साकार हो रहा सपना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत संचालित मोर आवास, मोर अभिमान अभियान सरगुजा जिले में ग्रामीण परिवारों के सपनों को साकार कर रहा है। इस अभियान ने न केवल आवास निर्माण में नई मिसाल कायम की है, बल्कि महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन का मार्ग भी प्रशस्त किया है।

अब तक जिले में 31,861 सामान्य आवास और 2,565 जनमन आवास (विशेष पिछड़ी जनजाति हितग्राहियों हेतु) स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 10,704 सामान्य आवास और 775 जनमन आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 19,476 सामान्य आवास और 1,660 जनमन आवास निर्माणाधीन हैं।

योजना के क्रियान्वयन में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अब तक 4,332 समूह सदस्य महिलाओं ने अपने आवास निर्माण हेतु लगभग 5.35 करोड़ रुपये का ऋण लिया है। समूहों ने आवास निर्माण कार्य के साथ-साथ आय सृजन की दिशा में भी पहल की है। जिले के 397 ग्राम पंचायतों में सेंट्रिंग प्लेट कार्य, 18 ग्राम पंचायतों में जनमन आवास हेतु सेंट्रिंग प्लेट कार्य, 9 सदस्याओं द्वारा मिक्सर मशीन संचालन तथा 6 सदस्याओं द्वारा सीमेंट और गिट्टी की आपूर्ति की गई है। इन गतिविधियों से 470 महिलाएं 'लखपति दीदी क्लब' की सदस्य बनी हैं।

इस अभियान के तहत महिला समूहों ने आवास निर्माण को आत्मनिर्भरता और गौरव का प्रतीक बना दिया है। विकासखण्ड अम्बिकापुर की ग्राम पंचायत किशुननगर निवासी आशा रवि ने अपने समूह से ऋण प्राप्त कर टाइल्स युक्त आधुनिक घर का निर्माण किया, जिससे उनका सपना साकार हुआ। इसी प्रकार अनेक महिलाओं ने योजनाओं का लाभ उठाकर सुविधायुक्त आवास तैयार किए हैं।

यह अभियान जिला प्रशासन के सतत मार्गदर्शन और मॉनिटरिंग का परिणाम है। कलेक्टर श्री विलास भोसकर और जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में सूक्ष्म स्तर पर प्लानिंग कर आवास निर्माण से जुड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित की गई है। मोर आवास, मोर अभिमान अभियान ने सरगुजा जिले में ग्रामीण आवास निर्माण को नई पहचान देने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास की सशक्त कहानी लिखी है।

ड्रोन तकनीक से किया जा रहा है, नैनो यूरिया का छिड़काव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में किसान खेती-किसानी में नई तकनीकों को अपना रहे हैं। महासमुंद जिले के ग्राम जोगनीपाली में शनिवार को किसानों के बीच ड्रोन तकनीक के माध्यम से नैनो यूरिया का छिड़काव कर प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर अधिकारीयों ने किसानों को पारंपरिक यूरिया के विकल्प के रूप में नैनो यूरिया के लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। किसानों को नैनो यूरिया के प्रयोग से लागत में कमी, मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि और पर्यावरणीय लाभों के बारे में अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ किसान अमृत पटेल, भोगलाल चौधरी, नेहरू चौधरी, चुम्बन लाल, बाबूलाल चौधरी, फगु लाल, शिवप्रसाद, वासुदेव साहू, गणेश साहू सहित लगभग 30 किसान उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

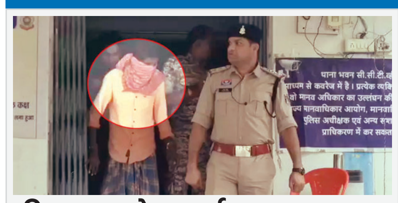

विधवा बहू से दुष्कर्म का प्रयास, चाचा ससुर हुआ गिरफ्तार

केशकाल। विधवा बहू के साथ रेप करने की कोशिश करने वाले चाचा ससुर की गिरफ्तारी कर लिया गया है। फरसगांव थाना में प्रार्थिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके पति की मृत्यु होने के बाद रिश्ते में चाचा ससुर है वह उस पर बुरी नजर रखता है और मेरे साथ रहना कहकर छेड़ता है। 14 जुलाई को भी प्रार्थिया घर में अकेली थी तभी चाचा ससुर फागूराम मण्डावी घर के अंदर घुसकर अश्लील हरकत करना शुरू कर दिया और जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने के लिए हाथ, शरीर व कपड़े को पकड़ रहा था।

प्रार्थिया के द्वारा मना करने पर मारपीट कर जमीन में पटक दिया और फिर वहां से चला गया। वह फिर 23 अगस्त की सुबह भी फागूराम घर अंदर घुसकर छेड़छाड़ व जबरदस्ती शारीरिक संबंध के लिए प्रयास किया और कहने लगा कि तेरा पति तो मर गया है जमीन मेरे नाम पर है बोलकर घर से निकालने की धमकी देकर, मारपीट करने लगा। फरसगांव एसडीओपी अभिनय उपाध्याय ने बताया कि प्रार्थिया के रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 109/2025 धारा 74, 75(1)(i) (ii), 76, 333 बीएनएस. कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपी फागूराम मण्डावी पिता स्व. बुधराम मण्डावी उम्र 55 वर्ष निवासी सरगीपाल पारा आलोर से पूछताछ करने अपना जुर्म कारित करना स्वीकार किया जिसके विधिवत् गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक संजय सिन्दे थाना प्रभारी, महिला प्रधान आरक्षक बीना मण्डावी, आरक्षक मनोज वट्टी, नारायण शार्दूल की भूमिका रही है।

धमतरी में प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमी ने की महिला की हत्या

धमतरी। प्रेम प्रसंग के संदेह में महिला की हत्या, आरोपी को धमतरी पुलिस ने किया तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। आरोपी के विरुद्ध चौकी करेलीबड़ी में धारा 103, 115(2) बीएनएस के तहत किया गया अपराध पंजीबद्ध। प्रार्थी ललेश बंजारे पिता कांति बंजारे उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम हसदा चौकी करेलीबाड़ी द्वारा चौकी पर आकर सूचना दी गई कि उसकी बहन पुष्पा मारकंडे की हत्या कर दी गई है। सूचना पर चौकी प्रभारी करेलीबाड़ी द्वारा तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी जगन्नाथ जांगड़े पिता करिया जांगड़े उम्र 67 वर्ष निवासी ग्राम हसदा चौकी करेलीबाड़ी थाना कुरूद, जिला धमतरी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतिका से उसका प्रेम प्रसंग था, किंतु मृतिका पर किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक करता था। इसी शक और गुस्से में आकर आरोपी ने मृतिका को चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी।

आरोपी के विरुद्ध चौकी करेलीबाड़ी अप.क्र. 127/25 धारा 103, 115(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। आरोपी जगन्नाथ जांगड़े पिता करिया जांगड़े उम्र 67 वर्ष निवासी ग्राम हसदा चौकी करेलीबाड़ी थाना कुरूद, जिला धमतरी छग का निवासी है। चौकी प्रभारी करेलीबाड़ी एवं उनकी टीम द्वारा की गई इस त्वरित कार्यवाही से गंभीर अपराध का तत्काल खुलासा हुआ और आरोपी गिरफ्तारी से बच नहीं सका।

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर अमरेश मिश्रा ने धमतरी जिले की कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों की ली बैठक

मादक पदार्थ, अवैध शराब और चाकूबाजी पर कड़ी रोक लगाने दिए सख्त निर्देश

श्रीकंचनपथ

धमतरी। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश कुमार मिश्रा (IPS) द्वारा धमतरी जिले की कानून-व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपराध की समीक्षा के साथ-साथ पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ाने के तरीकों पर निर्देश दिये और साथ ही हाल ही में सामने आई चाकूबाजी की घटनाओं अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की बिक्री जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा कर ठोस दिशा-निर्देश दिए गए। सभी राजपत्रित अधिकारियों को पर्यवेक्षण के कार्य में तेजी एवं एप्लीकेशन ऑफमाइंड का इस्तेमाल करते हुए पुलिसिंग के कार्य में नए आयाम स्थापित करने के निर्देश दिये गए।

साथ ही ये भी स्पष्ट निर्देश दिये है की किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार,अवैध शराब,गांजा,मादक पदार्थों एवं नशे के कारोबार पर पूरी तरीके से रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठायेंगे। आईजी मिश्रा ने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में सभी स्तर के अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करना है। बैठक के दौरान दिए गए मुख्य निर्देश: चाकूबाजी की घटनाओं पर रोक - जिले में हो रही चाकूबाजी की घटनाओं पर तत्काल प्रभाव से काबू पाया जाए और आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए।

सूखा नशा और अवैध मादक पदार्थ - युवाओं में बढ़ते सूखे नशे की प्रवृत्ति पर विशेष नजर रखी जाए तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए। अनुशासन और टीमवर्क - थाना स्तर से लेकर रेंज स्तर तक सभी अधिकारी-कर्मचारी आपसी समन्वय और टीमवर्क को प्राथमिकता दें। पुलिस बल का हर सदस्य अनुशासन का पालन करे। हेलमेट अनिवार्य - सभी पुलिस अधिकारी व कर्मचारी स्वयं हेलमेट लगाएँ और जनता को भी सड़क सुरक्षा हेतु प्रेरित करें।

देर रात तक चलने वाले होटल, ढाबे, दुकानें को समय पर बंद कराने के निर्देश दिये गए,साथ ही अड्डेबाजी के स्थानों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिये। साइबर फ्रॉड की घटनाओं पर तत्काल अपराध पंजीबद्ध किया जाए। एवं लंबित अपराध,चालान, मर्ग एवं शिकायतों का शीघ्र निराकरण अनिवार्य है। गौ-तस्करी के मामलों एवं एनडीपीएस मामलों में वाहनों की राजसात की कार्यवाही समयबद्ध ढंग से की जाए। अधिकारियों को थाने लेवल पर न्यू क्रिमिनल लॉ की जानकारी देना और नए कानूनों की समझ को गहराई से आत्मसात करने पर बल दिया गया।

इस समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार एवं सभी राजपत्रित अधिकारी, रक्षित निरीक्षक, सभी थाना/चौकी प्रभारी, सहित अन्य प्रभारी उपस्थित रहे। आईजी रायपुर रेंज अमरेश कुमार मिश्रा ने अंत में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनहित को सर्वोपरि रखते हुए निष्पक्ष,पारदर्शी और तत्पर पुलिसिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जनता में सुरक्षा और विश्वास की भावना जगाना ही पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

कुएं में मिला लापता युवक का शव

श्रीकंचनपथ

बालोद। गुंडरदेही क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 संजय नगर चौक निवासी 36 वर्षीय मोहम्मद सिकंदर तिगाला उर्फ सोनू का शव रविवार को रेलवे स्टेशन के सामने स्थित एक कुएं में तैरता हुआ मिला। युवक 21 अगस्त से घर से लापता था, जिसके चलते परिवारजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। दो दिन बाद उसकी लाश मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, मोहम्मद सिकंदर 21 अगस्त को अचानक घर से निकला और लौटकर नहीं आया। परिजनों ने पहले आसपास और रिश्तेदारों में उसकी तलाश की, लेकिन कहीं कोई पता नहीं चला। इसके बाद 22 अगस्त को गुंडरदेही थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं मिलने पर परिवार बेहद परेशान था। रविवार की सुबह परिजन तलाश करते हुए गुंडरदेही रेलवे स्टेशन के आसपास पहुंचे। मृतक के भाई ने स्थानीय लोगों से पूछताछ की, तो कुछ ने बताया कि उन्होंने आखिरी बार सिकंदर को रेलवे स्टेशन की ओर जाते हुए देखा था। इसी आधार पर खोजबीन की गई। जब परिजन स्टेशन के सामने स्थित कुएं के पास पहुंचे और झांककर देखा तो कुएं में एक शव तैरता हुआ नजर आया। नजदीक जाकर पहचान की गई तो पता चला कि यह शव सिकंदर का ही है। तत्काल इसकी सूचना गुंडरदेही पुलिस को दी गई।

गुंडरदेही थाना प्रभारी मनीष शेंडे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को बाहर निकलवाने के बाद पंचनामा की कार्रवाई की गई। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि सिकंदर का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं था। वह कई बार घर से बिना बताए निकल जाता था और कुछ दिन बाद वापस लौट आता था। इस बार भी वे सोच रहे थे कि कुछ दिनों बाद लौट आएगा, लेकिन उसकी मौत ने सभी को गहरे सदमे में डाल दिया।

युवक का शव मिलने की खबर फैलते ही स्टेशन क्षेत्र और संजय नगर इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों में इस बात को लेकर चर्चा रही कि आखिर युवक कुएं तक कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का खुलासा हो सकेगा।

फिंगरप्रिंट प्रशिक्षण कार्यशाला : अपराधियों की पहचान में नेफिस बनेगा अहम हथियार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस कार्यालय में फिंगरप्रिंट प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस कर्मियों को नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (NAFIS) के महत्व और उपयोग की जानकारी दी गई। इस अवसर पर डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने बताया कि नेफिस अपराधियों की पहचान करने और आपराधिक मामलों को जल्दी सुलझाने में अहम भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा निर्मित इस सॉफ्टवेयर में थाने स्तर पर संदेही और गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में भरकर अपलोड की जाती है, जिससे पुलिस जांच और विवेचना में काफी मदद मिलती है।

उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के मार्गदर्शन में रायगढ़ जिले में नेफिस डाटा अपलोडिंग का कार्य प्रदेश स्तर पर संतोषजनक है और इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अधिक से अधिक डाटा अपलोड किया जा रहा है। कार्यशाला में एएसआई संदीप गायकवाड (प्रभारी डीसीआरबी) और आरक्षक प्रभात प्रधान (नेफिस यूजर) ने पुलिसकर्मियों को थाने में संदेही एवं गिरफ्तार आरोपियों से फिंगरप्रिंट लेने की सही तकनीक समझाई और फॉर्म में भरी जाने वाली जरूरी जानकारियों के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण में शामिल पुलिसकर्मियों ने कहा कि इस कार्यशाला से उन्हें व्यावहारिक जानकारी मिली है जो आगे उनकी कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाएगी।

3 लाख मुनाफे का लालच दिखाकर युवक से 1.53 करोड़ की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में एक युवक को बिजनेस में पैसे लगाने पर हर महीने ढाई से तीन लाख रुपए मुनाफा देने का लालच दिया। भरोसा कर युवक ने डेढ़ करोड़ से ज्यादा की रकम निवेश कर दी। लेकिन वादे के मुताबिक न तो मुनाफा मिला और न ही रकम वापस। आखिरकार जब ठगी का अहसास हुआ तो पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने रविवार को मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित युवक इंद्रजीत सिंह अनुपम नगर का निवासी है। वर्ष 2015 में पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात कनाडा में संदीप सिंह नामक युवक से हुई थी। दोनों में दोस्ती हो गई और पढ़ाई खत्म कर जब वे राजनांदगांव लौटे तो संदीप ने इंद्रजीत की मुलाकात अपने पिता सुरेंद्र सिंह से कराई। सुरेंद्र सिंह एसटी ज्वेलर्स के मालिक हैं। उन्होंने इंद्रजीत को पार्टनरशिप का ऑफर देते हुए हर महीने ढाई से तीन लाख रुपए तक मुनाफा देने का भरोसा दिलाया। सुरेंद्र के वादों और व्यापारिक प्रतिष्ठा को देखते हुए इंद्रजीत ने विश्वास कर लिया और अपनी मां के बैंक खातों से धीरे-धीरे बड़ी रकम निवेश करना शुरू कर दिया।

इंद्रजीत सिंह ने 6 सितंबर 2021 से 30 अक्टूबर 2023 तक अलग-अलग खातों में कुल 1 करोड़ 53 लाख 60 हजार 67 रुपए ट्रांसफर किए। उसे उम्मीद थी कि तय समय पर हर महीने लाखों का मुनाफा मिलेगा। लेकिन आरोपियों ने वादा निभाने के बजाय रकम हड़प ली। जब भी इंद्रजीत मुनाफे की मांग करता, तो आरोपी उसे टालते रहते और कहते कि कुछ दिनों में पैसा मिल जाएगा। पुलिस से की शिकायत लगातार इंतजार और धोखे का अहसास होने पर आखिरकार इंद्रजीत ने 22 अगस्त को बसंतपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस जांच में पाया गया कि आरोपी सुरेंद्र सिंह ने सुनियोजित तरीके से युवक को झांसे में लिया और करोड़ों की ठगी की।

रविवार को पुलिस ने हरिओम नगर से 57 वर्षीय सुरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने जुर्म स्वीकार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। सीएसपी पुष्पेंद्र नायक ने बताया कि इस मामले में केवल सुरेंद्र ही नहीं बल्कि अन्य लोग भी शामिल हैं। बसंतपुर थाना पुलिस ने कुल 6 आरोपियों के खिलाफFIR दर्ज की है। सुरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, जबकि बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन पर 16.65 किलो गांजा जब्त, युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन पर पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत टीम ने 16.65 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त माल की कीमत लगभग 3.33 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में उत्तरप्रदेश निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। विशेष अभियान के तहत कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) और आबकारी विभाग लगातार अभियान चला रहे हैं।

इसी कड़ी में रायपुर रेलवे स्टेशन पर 24 अगस्त की देर शाम एक संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियों की सूचना मिली। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक

निशा भोईर के नेतृत्व में सीआईबी रायपुर की टीम और आबकारी अमला मौके पर पहुंचा। म में उपनिरीक्षक बीआर साहू, सहायक उपनिरीक्षक एसके राठौर, एएस यादव, आरक्षक एनके महाणा, एसपी सिंह तथा आबकारी विभाग के एडीईओ टीबी कुर्रे शामिल थे। सभी अधिकारियों ने प्लेटफॉर्म नंबर 1 के पास सघन तलाशी अभियान चलाया।

तलाशी के दौरान एक युवक संदिग्ध स्थिति में बैग लेकर खड़ा मिला। पूछताछ और जांच में उसकी पहचान मोहम्मद अशलम (20 वर्ष), पुत्र मोहम्मद करीमुल्ला शाह, निवासी पेचपड़वा, थाना पेचपड़वा, जिला बलरामपुर (उत्तरप्रदेश) के रूप में हुई। बैग की तलाशी लेने पर उसमें 7 पैकेट गांजा बरामद हुए, जिनका कुल वजन 16.65 किलो निकला। मौके पर ही गांजा जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

पूछताछ में आरोपी अशलम ने खुलासा किया कि वह यह गांजा उड़ीसा के जोडिंगा से सड़क मार्ग के जरिए रायपुर लेकर आया था। उसका मकसद इसे मुंबई ले जाकर वहां बेचने का था। वह रायपुर स्टेशन पर मुंबई जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज गांजा जब्ती की कार्रवाई के बाद आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ब) के तहत अपराध क्रमांक 134/2025 दर्ज किया है। आरोपी को 25 अगस्त 2025 को विशेष एनडीपीएस न्यायालय, रायपुर में पेश किया जाएगा।

राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर में बीते कुछ महीनों से गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी के मामलों में तेजी आई है। पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई के बावजूद तस्कर नए-नए तरीकों से नशे का अवैध कारोबार फैला रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि रायपुर रेलवे स्टेशन नशा तस्करों के लिए बड़ा ट्रांजिट प्वाइंट बन गया है, जहां से गांजा, ब्राउन शुगर और अन्य मादक पदार्थों को देश के अलग-अलग राज्यों में भेजा जाता है। रेलवे सुरक्षा बल और आबकारी विभाग ने साफ किया है कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान और अधिक तेज किया जाएगा। स्टेशन और ट्रेनों में लगातार चेकिंग की जाएगी ताकि इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

गांजा तस्करी में यूपी के दो तस्कर गिरफ्तार

बिलासपुर। उसलापुर रेलवे स्टेशन में गांजा की तस्करी करते उत्तर प्रदेश के दो तस्करों को सिविल लाइन व एसीसीयू की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को भारतीय सेना का फर्जी पहचान पत्र दिखाकर गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे। एसीसीयू एवं थाना सिविल लाइन की टीम को उसलापुर रेलवे स्टेशन के पास संदेहास्पद गतिविधियों की सूचना मिली। कार्रवाई के दौरान दो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें पकड़कर पूछताछ की गई।

संदेही रूपेश सिंह ने भारतीय सेना का एक पहचान पत्र दिखाकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। किंतु उसके हावभाव एवं पुलिस की सतर्कता से यह स्पष्ट हो गया कि उक्त आईडी फर्जी है। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपी ने इस फर्जी आईडी का उपयोग कर ट्रेन की टिकट बनवाकर यात्रा की थी। इस पर एनडीपीएस अधिनियम के साथ-साथ बीएनएस की कूटरचना से संबंधित धाराएं भी जोड़ी गई हैं। तलाशी में निवासी 25 वर्षीय रूपेश सिंह निवासी ग्राम

कोटवा हनुमानगंज थाना हडिया जिला प्रयागराज और 38 वर्षीय विनोद कुमार सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 38 बुड़ियादेवी मंदिर थाना कोतवाली जिला प्रतापगढ़ उत्तरप्रदेश के पास से 21 किलो 100 ग्राम गांजा एवं मोबाइल फोन जब्त किया गया। आरोपियों से एसीसीयू व थाना सिविल लाइन की टीम पूछताछ कर रही है। पूछा जा रहा है कि गांजा कहां से लेकर आ रहे हैं और कहां खपाने जा रहे हैं। इस पूरे नेटवर्क की एंड-टु-एंड इन्वेस्टिगेशन की जा रही है तथा इस सिंडिकेट के अन्य सदस्यों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सवः महिला सम्मेलन एवं तीजा-पोरा महोत्सव का भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नारी शक्ति के मान, सम्मान और गौरव को बढ़ावा मिल रहा हैः उपमुख्यमंत्री अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेवता पर राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार तीजा-पोरा धूमधाम से मनाया गया। 'विष्णु भइया' के नेवता पर आयोजित इस भव्य आयोजन में शामिल होने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में महिलाएँ पहुँचीं। प्रदेश सरकार के मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों ने माताओं-बहनों का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें उपहार स्वरूप साड़ी, श्रृंगार सामग्री और छत्तीसगढ़ी कलेवा भेंट किया गया। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने उपस्थित माताओं-बहनों को तीजा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तीजा छत्तीसगढ़ में नारी शक्ति के मान, सम्मान और दृढ़ निश्चय का महत्वपूर्ण पर्व है। निर्जला व्रत रखकर अपने पति-परिवार की सुरक्षा और समृद्धि की कामना करने वाली सभी माताओं-बहनों को उन्होंने सरकार की ओर से शुभकामनाएँ दीं। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेवता पर माताओं-बहनों की इतनी बड़ी संख्या में उपस्थिति स्वयं इस पर्व के महत्व को सिद्ध करती है।

उन्होंने कहा कि तीजा के आते ही माताओं-बहनों के मन में प्रसन्नता छा जाती है। भाई-भतीजा के तीजा लिवाने आने की प्रतीक्षा रहती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ महतारी के मान, सम्मान और गौरव को बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रदेश की 70 लाख से अधिक माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए की राशि मिल रही है। इससे वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और घर-परिवार को संचालित करने में पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु आगे भी ऐसी योजनाएँ लाती रहेगी।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी तीजा-पोरा पर्व की बधाई दी और कहा कि यह अवसर सभी तीजहारिन बहनों के लिए बहुत विशेष है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के लिए खुशी, एकजुटता और आत्मीयता का प्रतीक है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि तीजा धार्मिक, सामाजिक और प्राकृतिक सामंजस्य का पर्व है। माता-बहनें परिवार को जोड़कर स्वर्ग समान बनाए रखने का कार्य करती हैं। सुहागन महिलाएँ निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु की कामना करते हुए शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। सावन में खेत-खलिहान हरे-भरे हो जाते हैं, जिनमें गाय-बैलों की अथक मेहनत का योगदान होता है। इसी मेहनत से हमारे धान के कोठार भरते हैं। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व सांसद श्रीमती सरोज पांडेय ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बारले और लोकगायिका कुमारी आरु साहू को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रम एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, विधायक सुनील सोनी, इंद्र कुमार साव, अनुज शर्मा, केश शिल्पी बोर्ड की अध्यक्ष मोना सेना, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, रायपुर की महापौर मीनल चौबे सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक चिन्हारी आभूषणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें तोड़ा, पैरी पैजन, लच्छा, सॉंटी, झांझ, बिछिया, बिछुआ, चुटकी, ऐंठी, गोल, कंगन या कड़ा टरकउव्वा, कंगन या कड़ा , पटा, ककनी-हर्रया, तरकी, छुमका, ढार, खिनवा, लुरकी, धतुरिया, फुल्ली, नथ, रुपियामाला, तिलरी, कटवा, सूता, करधन, बजुबंद, खग्गा, फुंदरा और झबली जैसे पारंपरिक आभूषणों के साथ कृषि उपकरण और वाद्ययंत्र भी प्रदर्शित किए गए।

तीजा-पोरा के नेवता के लिए 'विष्णु भइया' का जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के भाई के रूप में दिए गए नेवता पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित महिला सम्मेलन एवं तीजा-पोरा तिहार में बड़ी संख्या में माताओं-बहनों ने भाग लिया। यहाँ लगाए गए स्टॉल गुलजार रहे। महिलाओं ने मेंहदी लगवाई, रंग-बिरंगी चूड़ियाँ पहनीं, आलता लगाया और सजधज कर सावन के झूले का आनंद लिया। महतारियों के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। पंडवानी गायिका श्रीमती उषा बारले ने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। पूरे सभागार को छत्तीसगढ़ी पारंपरिक साज-सज्जा से सजाया गया था। यहाँ मेहंदी, चूड़ियाँ, आलता के स्टॉल और ग्रामीण परिवेश को जीवंत करते हुए तीजा-पोरा की तैयारियाँ प्रदर्शित की गईं।

महिलाओं ने खेल प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्साह

महिला सम्मेलन एवं तीजा-पोरा तिहार की शुरुआत विधि-विधान से शिव-पार्वती और नंदी की पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद मंचीय कार्यक्रमों में महिलाओं की सहभागिता ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, नींबू दौड़ और रस्साकशी जैसी प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह से गूंज उठा। इन खेलों ने न केवल प्रतियोगिता का रोमांच बढ़ाया, बल्कि पारंपरिक पर्व की आत्मीयता और सामाजिकता को भी जीवंत कर दिया। कई महिलाओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से त्योहार का आनंद दोगुना हो जाता है और समाज में आपसी मेलजोल भी बढ़ता है। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और सभी प्रतिभागियों की सराहना की गई।

सहकार से समृद्धि के मंत्र के साथ आगे बढ़े - राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका रायपुर में आयोजित दो दिवसीय सहकार राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने बुनकरों से आव्हान किया कि वे समयानुसार उत्पादों में नवीन तकनीकों को अपनाएं। मांग के अनुसार उत्पादों के डिजाइन में बदलाव लाएं।

राज्यपाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया है। इसका उद्देश्य केवल सहकारिता को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर विश्व की नींव रखना है। यही भावना हमें प्रेरित करती है कि हम 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र के साथ आगे बढ़ें और इस अभियान को हर घर, हर व्यक्ति तक पहुँचाएँ।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने सहकारिता के क्षेत्र में कई नवाचार कर देश को एक नया दृष्टिकोण दिया है। पैक्स समितियों को बहुउद्देशीय बनाने का कार्य इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य में अब तक 2058 पैक्स समितियों को एम-पैक्स में परिवर्तित किया गया है और इनमें कॉमन सर्विस सेंटर जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही 532 नई बहुउद्देशीय पैक्स समितियों के गठन की प्रक्रिया जारी है। मत्स्य, दुग्ध और लघु वनोपज क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जो सहकारिता के विस्तार की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राज्यपाल ने कहा कि हाथकरघा और बुनकरी का कार्य हमारे देश की सांस्कृतिक पहचान और स्वदेशी गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के साथ मार्केटिंग के लिए नवीन माध्यमों और तकनीकों को जोड़े, इससे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कई उदाहरण देकर बताया कि समय पर नवीन तकनीकों को नहीं अपनाने और डिजाइन में बदलाव नहीं करने पर कई कंपनियों और वस्तुओं को मार्केट से बाहर होना पड़ है। उन्होंने कहा कि बुनकरों को अपने उत्पाद की लोकप्रियता और ब्रिकी के लिए ई-कॉमर्स और डिजिटल प्लेट फॉर्म की तरफबढ़ना चाहिए। इस अवसर पर सहकार भारती से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

डेयरी उद्यमिता विकास योजना से सुखसागर को मिला आर्थिक स्वावलंबन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप पशुधन विकास विभाग द्वारा जशपुर जिले के गौपालकों को विभागीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में बगीचा विकासखण्ड के किसान सुखसागर यादव ने राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना तथा राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम अंतर्गत नस्ल सुधार योजना का लाभ लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है।

श्री यादव एक सामान्य किसान हैं। योजना का लाभ प्राप्त करने से पूर्व उनके पास केवल एक देसी गाय थी, जो प्रतिदिन लगभग एक लीटर दूध ही देती थी। इस दूध का उपयोग परिवार की आवश्यकता पूर्ति तक ही सीमित था और पशुपालन से कोई अतिरिक्त आय नहीं होती थी। पशुधन विकास विभाग द्वारा राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना के अंतर्गत उन्हें 70 हजार रूपए का अनुदान प्रदान किया गया। इसके सहयोग से उन्होंने एक उन्नत नस्ल की जर्सी गाय और एक साहीवाल क्रॉस गाय खरीदी। साथ ही राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के अंतर्गत नस्ल सुधार का भी लाभ मिला।

वर्तमान में श्री यादव की डेयरी से प्रतिदिन 16 से 18 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। इसका विक्रय कर उन्हें प्रतिमाह 25 से 30 हजार रूपए तक की आय प्राप्त हो रही है। इसके अतिरिक्त कृत्रिम गर्भाधान से प्राप्त उन्नत नस्ल की बछिया और बाछा उनके पशुधन को और सुदृढ़ बना रहे हैं। पशुधन विभाग द्वारा समय-समय पर उनके पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, कृमिनाशक दवाओं एवं मिनरल मिक्सचर की उपलब्धता तथा तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है।

चक्रधर समारोह 2025ः शास्त्रीय संगीत और लोक कलाओं का होगा संगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश-विदेश में ख्यातिप्राप्त चक्रधर समारोह का शुभारंभ 27 अगस्त से होने जा रहा है। कला के विविध रूपों के साधक और कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से इस समारोह को अविस्मरणीय बनाएंगे। इस वर्ष समारोह में शास्त्रीय संगीत के साथ लोक कलाओं का अद्वितीय संगम देखने को मिलेगा। शास्त्रीय गायन और वादन के साथ-साथ विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों एवं लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी।

समारोह में कथक, ओडिसी, भरतनाट्यम और मोहिनीअट्टम जैसे शास्त्रीय नृत्य शैलियों की प्रस्तुतियां देश के विख्यात कलाकारों द्वारा दी जाएंगी। कथक जहां उत्तर भारत की शास्त्रीय परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं ओडिसी पूर्वी भारत की, और मोहिनीअट्टम व भरतनाट्यम दक्षिण भारत की समृद्ध नृत्य शैलियां हैं। ये नृत्य शैलियां भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जो अपनी अनूठी मुद्राओं, वेशभूषा, संगीत और कथा वाचन की विशेषताओं के लिए जानी जाती हैं।

शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियों में गायन और वादन का अनूठा संगम होगा। सितार की मधुर ध्वनि, तबले की लयबद्ध थाप, संतूर के मधुर स्वर और बांसुरी की सुरीली तान दर्शकों को भाव-विभोर करेगी। समारोह के मंच पर जहां शास्त्रीय कलाओं का प्रदर्शन होगा, वहीं छत्तीसगढ़ की लोक कलाओं का भी रंग बिखरेगा। प्रदेश का प्रसिद्ध पंथी नृत्य, लोकगीत और लोकरंग की प्रस्तुतियां छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त परिचय देंगी।

इसके साथ ही अबूझमाड़ के सुप्रसिद्ध मलखम्ब दल की विशेष प्रस्तुति भी समारोह का आकर्षण होगी। इस दल ने वर्ष 2023 में इंडियाज गॉट टैलेंट में प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की थी और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी पदक हासिल किए हैं। उनके अद्वितीय योग और जिम्नास्टिक मुद्राओं का प्रदर्शन समारोह का मुख्य आकर्षण रहेगा। चक्रधर समारोह 2025 का आयोजन दर्शकों के लिए न केवल कला और संस्कृति का पर्व होगा, बल्कि भारत की शास्त्रीय और लोक परंपराओं का जीवंत उत्सव भी साबित होगा।

चक्रधर समारोह-2025ःअबूझमाड़ के प्रसिद्ध मलखम्ब दल का होगा विशेष प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने वाले अबूझमाड़ के मनोज प्रसाद के नेतृत्व वाला मलखम्ब दल आगामी 03 सितंबर को आयोजित होने वाले 40वें चक्रधर समारोह में अपनी विशेष प्रस्तुति देगा। यह दल अपनी अद्वितीय कला, अनुशासन और कौशल के माध्यम से मलखम्ब की परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा। अबूझमाड़ का यह दल केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे भारत का गौरव बन चुका है। वर्ष 2023 में इस दल ने देश के लोकप्रिय रियलिटी शो इंडियाज गॉट टैलेंट में प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की थी। उनके संतुलित और कौशलपूर्ण प्रदर्शन ने न केवल दर्शकों, बल्कि निर्णायकों को भी प्रभावित किया। सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ इस दल ने खेल जगत में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वर्ष 2023 में भूटान में आयोजित विश्व मलखम्ब चौंपियनशिप में दल के खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। इसके अलावा खेलो इंडिया गेम्स सहित विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। सुदूर वनांचल अबूझमाड़ से निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक का यह सफर केवल प्रतिभा ही नहीं, बल्कि कठिन परिश्रम, समर्पण और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950